Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 69
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,09 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 ज्योति, विधायक बनने के लिए कितना गिरोगी,चुनाव 4 मोदी ने माहौल ही बदल डाला, अब ब्रिटेन जैसी आर्थिक 5 इंटीमेट सीन्स के चलते नहीं देखी बहू की फिल्म?

राष्ट्रपति मुर्मु,उप राष्ट्रपति,पीएम समेत कई नेताओं ने वायु सेना दिवस पर दी शुभकामनाएं

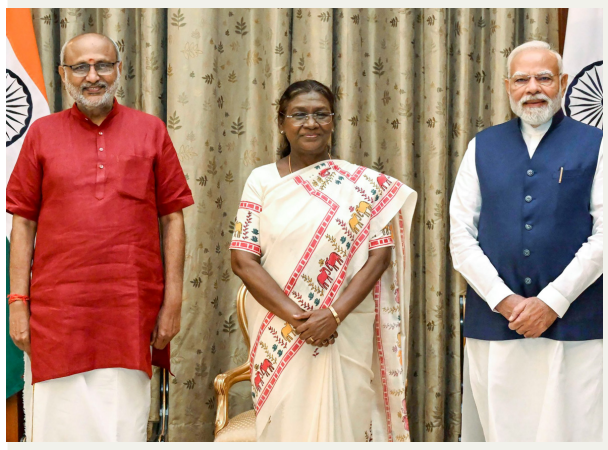

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रहवाई सीमाओं की प्रहरी वायु सेना की 93वीं वर्षगांठ पर जोश तथा उत्साह के साथ वायु सेना दिवस मना रहा है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, पीएम मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर भारतीय वायु सेना को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने बुधवार को इस मौके पर अपने संदेश में कहा कि वायु सेना ने अपनी शक्ति और हर चुनौती का सामना करने की तत्परता से राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा, वायु सेना दिवस पर सभी वायु योद्धाओं, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई! भारतीय वायु सेना ने सदैव साहस, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता का परिचय दिया है। हमारे वायु योद्धा हमारे आकाश की रक्षा करते हैं और आपदाओं व मानवीय मिशनों के दौरान अथक समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करते हैं। हमारी वायु सेना ने अपनी शक्ति और हर चुनौती का सामना करने की तत्परता से राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। मैं भारतीय वायु सेना को उसके सभी भावी प्रयासों में सफलता के लिए शुभकामनाएं देती हूं। उर राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा,वायु सेना दिवस पर भारतीय वायु सेना को हार्दिक शुभकामनाएं! भारतीय वायु सेना, आसमान की सुरक्षा से लेकर प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत पहुँचाने और हर संकट की घड़ी में देशवासियों की सहायता करने तक, समर्पण, अनुशासन और सेवा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। ऑपरेशन सिंदूर और अन्य अनेक अभियान भारतीय सशस्त्र बलों, खासकर भारतीय वायुसेना के अमूल्य योगदान का प्रमाण हैं। मैं हमारे वीर वायु योद्धाओं को उनके पेशेवर कौशल, साहस और अटूट निष्ठा के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं। मेरी यही कामना है कि भारतीय वायु सेना निरंतर नई ऊंचाइयां हासिल करे और हर मिशन में शानदार सफलता प्राप्त करे। पीएम मोदी ने कहा कि वायु सेना दिवस पर सभी साहसी वायु योद्धाओं और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय वायु सेना वीरता, अनुशासन और सटीकता की प्रतीक है। उन्होंने हमारे आकाश की सुरक्षा में, अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। उनकी प्रतिबद्धता, व्यावसायिकता और अदम्य साहस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है।अमित शाह ने अपने संदेश में कहा, भारतीय वायु सेना दिवस पर हमारे आकाश के रक्षकों को हार्दिक बधाई। इस बल का नाम ही भारतीयों के हृदय में अपार गर्व का भाव जगाता है। चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा का भार उठाना हो या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जान बचाना हो, भारतीय वायु सेना अपने अदम्य साहस और अटूट देशभक्ति के साथ सदैव खड़ी रहती है। इस दिन मैं राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले इस बल के शहीदों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उल्लेखनीय है कि देश में हर वर्ष आठ अक्टूबर को वायु सेना दिवस मनाया जाता है।इस वर्ष इस अवसर पर हिंडन वायु सेना स्टेशन पर भव्य परेड का आयोजन किया गया है। वायु सेना प्रमुख इसी कार्यक्रम में वीर वायु योद्धाओं को उनके अलंकरण प्रदान करेंगे। इस वर्ष वायु सेना दिवस पर होने वाले फ्लाई पास्ट का आयोजन असम के गुवाहाटी में 9 नवम्बर को किया जायेगा। आम तौर पर यह फ्लाईपास्ट वायु सेना दिवस के दिन ही किया जाता है लेकिन इस बार मौसम को देखते हुए यह बदलाव किया गया है।

ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे, पीएम मोदी ने किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंच गए हैं। आज बुधवार सुबह वह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उनका स्वागत किया। पीएम स्टार्मर कल गुरुवार को मुंबई के राजभवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और कल ही जियो वर्ल्ड सेंटर में सीईओ फोरम और ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को ब्रिटेन के अपने समकक्ष केअर स्टार्मर का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनकी भारत यात्रा को ऐतिहासिक बताया। स्टार्मर ब्रिटेन से अब तक के सबसे बड़े व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां पहुंचे। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ब्रटेन से अब तक के सबसे बड़े व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की पहली ऐतिहासिक यात्रा पर प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर आपका स्वागत है। एक मजबूत, पारस्परिक रूप से समृद्ध भविष्य के हमारे साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए कल हमारी बैठक की प्रतीक्षा है। आधिकारिक बयान के अनुसार, 9 अक्टूबर को सुबह लगभग 10 बजे, प्रधानमंत्री मोदी मुंबई में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर की मेजबानी करेंगे। दोपहर लगभग 1.40 बजे, दोनों देशों के प्रधानमंत्री मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में सीईओ फोरम में भाग लेंगे। इसके बाद, दोपहर लगभग 2.45 बजे, दोनों प्रधानमंत्री ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के छठे संस्करण में शामिल होंगे। वे फेस्ट में मुख्य संबोधन भी देंगे।

मध्यप्रदेश में कफ सिरप कांड पर सियासी तूफान तेज, राहुल गांधी करेंगे पीड़ित परिवारों से मुलाकात

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से अब तक 20 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस दर्दनाक घटना ने न सिर्फ प्रदेश, बल्कि पूरे देश को झकझोर दिया है। वहीं यह मामला अब राजनीतिक रूप से गरमा गया है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रदेश सरकार को पूरी तरह घेर लिया है। वहीं ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने राज्य से पूरी रिपोर्ट मांगी है।इसके साथ ही कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जल्द ही छिंदवाड़ा दौरे की जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी फिलहाल विदेश दौरे पर हैं, और 9 अक्टूबर को भारत लौटते ही वे उत्तर प्रदेश के रायबरेली और मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जा सकते हैं। दोनों ही स्थानों पर हाल ही में दर्दनाक घटनाएं हुई हैं- रायबरेली में एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या और छिंदवाड़ा में 19 बच्चों की मौत। जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार लगातार राज्य सरकार पर हमला बोल रहे हैं, तो वहीं अब इस मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की एंट्री होने जा रही है। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी एक हफ्ते के अंदर छिंदवाड़ा पहुंच सकते हैं। अपने इस दौरे के दौरान वे परासिया क्षेत्र में जाकर उन परिजनों से मुलाकात करेंगे जिनके बच्चों की मौत कथित तौर पर कफ सिरप पीने से हुई थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी का यह दौरा न केवल पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताने के लिए होगा।

लव-ड्रग्स जिहाद के आरोपी मछली परिवार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

भोपाल (एजेंसी)। लव लैंड और ड्रग्स जिहाद में फंसे मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गैंगस्टर यासीन अहमद उर्फ मछली के परिवार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने निर्देश दिया कि परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के बैंक खाते डिफ्रीज किए जाएं।कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं है। हालांकि, यदि पुलिस जांच में याचिकाकर्ता के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री पाई जाती है, तो पुलिस कानून के अनुसार स्वतंत्र कार्रवाई कर सकती है। मछली परिवार ने याचिका में आरोप लगाया था कि उन्हें निशाना बनाकर कार्रवाई की जा रही है। उनका कहना था कि जिला और पुलिस प्रशासन ने सिर्फ उनकी संपत्तियों को ध्वस्त किया, जबकि सरकारी जमीन पर मकान बनाने वाले अन्य व्यक्तियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बनेगी सरकार, होंगे बिहार के अगले मुख्यमंत्री: मृत्युंजय तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया है कि बिहार की जनता ने फैसला कर लिया है कि अगली सरकार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बनेगी और वे बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। राजधानी दिल्ली में राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों और सीट शेयरिंग के फॉर्मूले को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर किसी भी तरह से कोई तनाव नहीं है। महागठबंधन में सब कुछ ठीक है और सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगले एक-दो दिनों में सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा हो जाएगी।

प्रदेश में दो अलग-अलग नए विश्वविद्यालय खोले जाने की तैयारी

कैबिनेट में लाया जाएगा प्रस्ताव

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में वर्तमान में पांच राज्य विश्वविद्यालय और इनसे संबद्ध 118 महाविद्यालय हैं। जबकि 26 निजी विश्वविद्यालय, 244 निजी महाविद्यालय और 21 अशासकीय महाविद्यालय हैं। अब दो अलग-अलग नए विश्वविद्यालय खोले जाने की तैयारी है। प्रदेश में दो अलग-अलग नए विश्वविद्यालय खोले जाने की तैयारी है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के मुताबिक कौशल आधारित विवि और नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों के बच्चों के लिए आवासीय विश्वविद्यालय खोला जाना है। इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। उच्च शिक्षा

विभाग के मुताबिक प्रदेश में वर्तमान में पांच राज्य विश्वविद्यालय और इनसे संबद्ध 118 महाविद्यालय हैं। जबकि 26 निजी विश्वविद्यालय, 244 निजी महाविद्यालय और 21 अशासकीय महाविद्यालय हैं। इसके अलावा तीन तकनीकी संस्थान और एक आयुर्वेद चिकित्सा संस्थान है। जबकि अब दो अन्य विश्वविद्यालय खुलने प्रस्तावित हैं। नए खुलने वाले कौशल आधारित विश्वविद्यालय में 25 व्यावसायिक कोर्स शुरू किए जाएंगे। जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। जबकि आवासीय विश्वविद्यालय माध्यमिक शिक्षा विभाग के नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों के बच्चों और अन्य बेसहारा बच्चों के लिए होगा। आवासीय विवि की स्थापना से ये बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

आजम से मिले अखिलेश,गिले-शिकवे खत्म

गले लगे और भर आई आंखें, एक कार से पहुंचे घर

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की सियासत का पारा उस वक्त चढ़ गया जब समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तमाम अटकलों को दूर करते रामपुर पहुंचे। उनकी मुलाकात पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान से हुई। यह राजनीतिक बैठक नहीं थी बल्कि लंबे समय से चली आ रही दूरियों को मिटाने की एक भावनात्मक पहल थी। जेल से रिहाई के बाद यह दोनों नेताओं की पहली मुलाकात है, जिस पर पूरे प्रदेश की निगाहें टिकी हुई हैं। यह मुलाकात सपा की एकजुटता और भविष्य की रणनीतियों का एक बड़ा संकेत दे रही है।सुबह करीब साढ़े 11 बजे लखनऊ से रवाना होने के बाद अखिलेश यादव बरेली एयरपोर्ट होते हुए हेलीकॉप्टर से रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे। आजम ने खुद आगे बढ़कर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। आजम ने अखिलेश को गले लगा लिया। दोनों नेता एक गाड़ी में बैठकर आजम खान के घर के लिए रवाना हुए। रास्ते में कार्यकताओं का हुजूम था। सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे और घर के पास बैरिकेडिंग की गई थी। आजम खान ने साफ कर दिया था कि वह सिर्फ अखिलेश यादव से मिलेंगे। नाराजगी इस कदर थी कि अखिलेश के साथ आए रामपुर के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को बरेली में रुकना पड़ा। आजम खान ने कहा था कि वह रामपुर के सांसद से वाकिफ नहीं हैं। माना जा रहा है कि आजम खान अपने कठिन समय में पार्टी से अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण नाराज थे। 23 सितंबर को जब वह जेल से रिहा हुए थे, तब अखिलेश के न पहुंचने पर उन्होंने तंज भी कसा था। आजम खान के घर पर दोनों नेताओं की मुलाकात बंद कमरे में हुई, जिसमें किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल नहीं किया गया। आजम खान के परिवार के सदस्य, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम बैठक का हिस्सा नहीं थे। घर के अंदर जब भविष्य की सियासत पर मंथन चल रहा था, तब बाहर भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता अपने नेताओं की एक झलक पाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। करीब एक घंटे तक चली इस मुलाकात के बाद अब कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों नेताओं के बीच के गिले-शिकवे दूर हो गए हैं।

शिवसेना चुनाव चिह्न विवाद, उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 12 नबंवर को करेगा सुनवाई उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह एकनाथ शिंदे गुट को शिवसेना के रूप में मान्यता देने और चुनाव चिह्न धनुष-बाण आवंटित करने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर 12 नबंवर को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्जवल भुयान और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने ठाकरे गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के संबंधित मामले पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध स्वीकार किया। पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने आग्रह करते हुए कहा, यह अत्यावश्यक है। स्थानीय चुनाव जनवरी में निर्धारित हैं। कृपया इस पर जल्द से जल्द सुनवाई की जाये। इस पर पीठ की ओर से न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने कहा, हम इस पर 12 नवंबर को सुनवाई करेंगे। पीठ के समक्ष सिब्बल ने एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य घोषित करने

से महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के इनकार करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं को भी सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अयोग्यता का मामला एक अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध है। उन्होंने सिब्बल से कहा कि उन्हें (सिब्बल को) दोनों मामलों को एक साथ सूचीबद्ध करने के लिए मुख्य न्यायाधीश की अनुमति लेनी होगी। इस पर सिब्बल ने कहा कि वह मुख्य न्यायाधीश से इस संबंध में अनुरोध करेंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे गुट की याचिका में चुनाव आयोग के फरवरी 2023 के उस आदेश की आलोचना की गयी है।

41 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन : करूर भगदड़ में विजय की टीवीके ने एसआईटी गठित करने के अदालत के आदेश को न्यायालय में दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिल अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने करूर भगदड़ की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। इस भगदड़ में 41 लोग मारे गए थे। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक वकील की इस दलील पर गौर किया कि

टीवीके के सचिव आधव अर्जुन के माध्यम से दायर याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। पीठ ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता उमा आनंदन की उस याचिका पर 10 अक्टूबर को सुनवाई करने पर सहमति जताई जिसमें 27 सितंबर की भगदड़ की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने से इनकार करने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है और सीबीआई जांच का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश ने इस याचिका पर शुक्रवार को अन्य याचिकाओं के साथ सुनवाई करने पर सहमति जताई।

विकसित बिहार की संकल्पना के लिए विधानसभा चुनाव में उतरेगी लोजपा (रामविलास): चिराग पासवान

पटना (एजेंसी)। लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी अपने कार्यकताओं के जोश के साथ विकसित बिहार की संकल्पना के लिए विधानसभा चुनाव में उतरेगी। चिराग पासवान ने आज अपने पिता रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पिता को खोने के बाद उन्होंने अपने जीवन मे बहुत उतार चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और पारिवारिक विवादों के

बीच स्वर्गीय रामविलास पासवान के मुख से अक्सर कहे जाने वाले शब्द जुल्म करो मत, जुल्म सहो मत, जीना है तो मरना सीखो, कदम कदम पर लड़ना सीखोश उनको ताकत देते रहे और तमाम बाधाओं को पार करते हुए उन्हें राह मिलती गयी। उन्होंने कहा कि -उनकी पार्टी टूटी, परिवार टूटा, लेकिन वह अपने पिता के सपनो को पूरा करने के लक्ष्य का पीछा लगातार करते रहै। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उनका उद्देश्य अपने पिता के सपनो को आगे बढ़ना है और बिहार को एक विकसित राज्य बनाना है। उन्होंने कहा कि बिहार फर्स्ट और बिहारी फर्स्ट के लक्ष्य के साथ उनकी पार्टी आगे बढ़ रही है।

इस बार अपने वोटों का बंटवारा न करें, उदित राज ने मुस्लिम मतदाताओं से की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बीच, एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है,जिससे यह चुनाव और भी रोमांचक होने की संभावना है। इस पर कांग्रेस नेता उदित राज ने मुस्लिम मतदाताओं से अपील की है कि वे इस बार अपने वोटों का बंटवारा न करें। बातचीत में उन्होंने कहा कि पिछली बार की गलती को दोहराने से बचें,

जिसके कारण पांच साल तक परेशानियां और कठिनाइयां झेलनी पड़ीं। इस बार एकजुट होकर वोट करें ताकि मजबूत नेतृत्व चुना जा सके। चीफ जस्टिस का अपमान करने वाले आरोपी वकील के दावे पर कि उसे श्दैवीय सिग्नलश प्राप्त हुआ था। इस पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि सनातनी तो रावण भी था, सनातनी गोडसे भी था जिसने गांधी जी की हत्या की। क्या सनातन धर्म का मतलब हिंसा, नफरत और घृणा फैलाना है? सनातनियों को इस पर जवाब देना चाहिए कि क्या वे इस आरोपी वकील का समर्थन करते हैं, जो खुद को सनातनी कहता है। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम के बीच जहर फैलाने की राजनीति अब सर्वत्र फैल रही है, जिसके कारण हिंसा, गाली-गलौज और नफरत आम हो गए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विदेश दौरे पर भाजपा नेता के बयानों पर उदित राज ने कहा कि भाजपा को चिंता क्यों हो रही है। राहुल गांधी तो भाजपा को नहीं चला रहे। वे कभी-कभी विदेश जाते हैं, इसमें हाय-तौबा मचाने की क्या जरूरत है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के केंद्र सरकार पर लगाए गए आरोपों का समर्थन करते हुए उदित राज ने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के साथ भेदभाव कर रही है।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन परिसर में सफाई करते हुए सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के आठवे दिन 08 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ परिसर थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर स्टेशन परिसर, कार्यालयों, कारखानों, डिपों एवं रेलवे अस्पतालों तथा रेलवे कालोनियों की सफाई की गयी। 08 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं आवासीय परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाकर स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालय, विश्रामगृह, डारमेट्री एवं रिटायरिंग रूम की साफ-सफाई की गयी। इस दौरान एकत्रित हुए सूखे एवं गीले कचरे को हटाया गया तथा स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया। कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता को बनाये रखने एवं उसके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालय, विश्रामगृह, डारमेट्री एवं रिटायरिंग रूम तथा रेलवे कालोनियों एवं अन्य आवासीय स्थानों की सफाई की गयी एवं स्टेशन परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान एकत्रित हुए सूखे एवं गीले कचरे को हटाया गया एवं स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया और प्रसाधनों एवं नालियों की साफ-सफाई की गयी एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता को बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालय, विश्रामगृह, डारमेट्री एवं रिटायरिंग रूम तथा रेलवे कालोनियों एवं अन्य आवासीय स्थानों की सफाई की गयी। इस दौरान एकत्रित हुए सूखे एवं गीले कचरे को हटाया गया एवं स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया और प्रसाधनों एवं नालियों की साफ-सफाई की गयी। रेलवे कर्मचारियों, कालोनीवासियों को स्वच्छता के महत्व के बारे जागरूक किया गया।

सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से हुई निगरानी

बस्ती। विसर्जन यात्रा एवं अमहट घाट पर मूर्ति विसर्जन के दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारी एलर्ट मोड में दिखे। अमहट से लेकर शास्त्री चौक और सिविल लाइन चौराहा को आधा दर्जन सेक्टर बांट दिया गया था। सभी सेक्टर भारी फोर्स के साथ मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी तैनात किए गए थे। मोबाइल एवं वायरलेस सेट से सभी अफसर एक दूसरे से जुड़े रहे। कंट्रोल रूम भी बनाया गया था। विसर्जन रूट एवं विसर्जन स्थल की निगरानी कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरे एवं ड्रोन कैमरों से की जा रही थी। जुलूस में शामिल प्रतिमाओं से लदे एक- एक वाहन पर पुलिस की नजर थी। जहां कोई चूक दिखी तत्काल सेट के जरिये संबंधित क्षेत्र के अधिकारी को सूचित करके व्यवस्था दुरुस्त कराई गई। इस दौरान विसर्जन रूट पर सायरन बजाते हुए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियां भी दौड़भाग करती रही।

गोरखपुर में रोजगार महाकुंभ का आयोजन 14 एवं 15 को

बस्ती। गोरखपुर में रोजगार महाकुंभ का आयोजन 14 एवं 15 अक्तूबर को किया जाएगा। जिला सेवा योजन अधिकारी अवधेंद्र प्रताप वर्मा ने बताया कि जिले के कुशल और अकुशल श्रमिक जिनके पास वैध पासपोर्ट है, उन्हें विदेश में रोजगार पाने का खुला अवसर दिया जाएगा। प्रदेश के युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर दिलाने के उद्देश्य से श्रम व सेवायोजन विभाग की ओर से रोजगार महाकुंभ 2025 का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय आयोजन गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में होगा। इसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान की कंपनियों में चयन के अवसर मिलेंगे। कुल 10,655 पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें कंस्ट्रक्शन वर्कर, सुपरवाइजर रिगिंग, मोबख्ल, पंप आपरेटर, ट्रांजिट मिक्सर ड्राइवर, फोरमैन सिविल, हैवी ट्रक ड्राइवर, बस चालक, शटरिंग कारपेंटर और कंस्ट्रक्शन हेल्पर जैसे पद शामिल हैं। चयनित उम्मीदवारों को 24 हजार से 1 लाख 20 हजार 769 रुपये तक मासिक वेतन मिलेगा।

टिनिच में दो घाटों पर 20 मूर्तियों का विसर्जन

टिनिच। गौर थाना क्षेत्र के टिनिच पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन दो घाटों पर सकुशल संपन्न हुआ। टिनिच, आमा, घुरहूपुर, साडी हिच्छा, बगलवा चौराह, खडसरपुर, साडी कल्प, तिनहरी, बदलूपुर और बेतौहा गांवों की दुर्गा प्रतिमाओं को श्रद्धालुओं ने शाम होते ही महादेवा और गटरा घाट पर विसर्जित किया। प्रभारी निरीक्षक परमहंस यादव ने बताया कि गटरा पुल पर 13 और महादेवा घाट पर सात मूर्तियों का विसर्जन सकुशल संपन्न हुआ। मौके पर चौकी प्रभारी हरिराय, राजस्व निरीक्षक शक्ति शरण यादव, प्रधान राम सागर और भारत चौधरी सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे। विसर्जन के दौरान सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस की तैनाती रही।

गोविंदनगर शुगर मिल गेट पर 50वें दिन दिया धरना

वाल्टरगंज। गोविंद नगर शुगर मिल गेट पर किसानों, श्रमिकों और व्यापारियों का धरना 50वें दिन भी जारी रहा। नित्य राम चौधरी ने कहा कि मिल का संचालन किसानों, श्रमिकों और व्यापारियों के हित में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मिल के बंद रहने से क्षेत्र की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। श्रमिक महेश पांडेय ने कहा कि मिल प्रबंधन और जिला प्रशासन को अब मिल चालू करनी ही पड़ेगी। जब तक संचालन शुरू नहीं होता, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने में वीरेंद्र चौधरी, अंगद वर्मा, जनार्दन सिंह, राम प्रकाश, प्रदीप, राम दयाल, आदि शामिल रहे।

फर्जी आदेश बनाकर दलित की जमीन पर किया कब्जा

हरैया। फर्जी आदेश दर्ज कराकर खम्हरिया गांव के दलित व्यक्ति की जमीन का नामांतरण कराने का मामला प्रकाश में आया है। अधिवक्ता ने जिलाधिकारी को पत्र देकर जांच की मांग की है। नायब तहसीलदार ऋषभ सिंह ने बताया कि खतौनी और अन्य अभिलेखों में दर्ज नाम के आधार पर रजिस्ट्री की जाती है। प्रकरण में कोई अनदेखी नहीं की गई है। सिकंदरपुर क्षेत्र के खम्हरिया गांव के रतन पुत्र सतई की मृत्यु के बाद उनके भतीजे रमेश और गणेश पैतृक संपत्ति के वारिस बने। इसी बीच भूमाफिया ने गांव के ही सहज राम को भरोसे में लेकर ग्राम सभा बनाम सहज राम का फर्जी वाद दाखिल कराया। वाद के फैसले के आधार पर जमीन का नामांतरण सहज राम के नाम हुआ। इसके बाद भू माफिया ने मंजू गुप्ता, प्रेम कुमार सिंह और अब्दुल हमीद के नाम बैनामा करा लिया। पीड़ितों ने अधिवक्ता आरबी रोशन के माध्यम से वाद की पत्रावली का निरीक्षण कराया, तो पता चला कि न तो तहसील में और न ही जिले में इस वाद की कोई पत्रावली उपलब्ध है। वहीं, तहसील के अभिलेखों में फैसले के आधार पर जमीन ग्राम सभा के नाम दर्ज दिखाई दे रही थी।

रेलवे स्टेशन पर अंग्रेजी शराब की खेप बरामद

बस्ती। रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने मंगलवार को चेकिंग के दौरान एक युवक को अंग्रेजी शराब की बोतल से भरे दो बैगों के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी गोंडा का रहने वाला है। वह शराब बिहार बेचने ले जा रहा था। प्रभारी निरीक्षक पंकज यादव ने बताया कि रेलवे स्टेशन के गेट नंबर तीन और प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर जीआरपी टीम नियमित जांच कर रही थी। इस दौरान एक यात्री संदिग्ध स्थिति में दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की तो वह घबरा गया।

देव दीपावली से पहले काशी में हेलिकॉप्टर सेवा, नमो घाट से होगी उड़ान

वाराणसी। देव दीपावली से पहले काशी में हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होगी। नमो घाट से हेलिकॉप्टर उड़ान भरेगा। इससे आसमान से

काशी के घाट और विश्वनाथ धाम दिखेंगे। हेलिकॉप्टर कंपनी ने सर्वे सहित अन्य परीक्षण पूरे कर लिए हैं। काशी के घाटों, मंदिरों और गंगा आरती का नजारा अब आसमान से भी देखने को मिलेगा। देव दीपावली से पहले वाराणसी में पर्यटकों, श्रद्धालुओं के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो जाएगी। सर्वे, सुरक्षा सहित परीक्षण के दूसरे काम पूरे हो गए हैं। हेलिकॉप्टर सेवा शुरू करने वाली कंपनी के अफसरों ने मंजूरी के लिए बाबतपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी से संपर्क कर सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। इस सेवा के तहत श्रद्धालु और पर्यटक 7-8 मिनट की हवाई यात्रा में काशी के प्रमुख स्थलों के अद्भुत दर्शन कर सकेंगे। कंपनी के एक अफसर के अनुसार नमो घाट पर बने हेलिपैड से उड़ान शुरू की जाएगी। यहां से तीन सीटर और छह-सीटर हेलिकॉप्टर उड़ान भरेंगे। करीब 7-8 मिनट की इस यात्रा में पर्यटक काशी के हवाई दर्शन कराएंगे। नमो घाट से श्री काशी विश्वनाथ धाम, मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र सहित सभी घाट, गोदौलिया क्षेत्र, चौक, काल भैरव मंदिर और रामनगर पुल दिखाए जाएंगे। हेलिपैड के बाद एचटी लाइन सहित कुछ अन्य दिक्कतें थीं जिसे दूर कर लिया गया है। हेलिकॉप्टर संचालन का प्रस्ताव स्मार्ट सिटी, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग को दिया गया था। हरी झंडी मिलने के बाद इस दिशा में काम शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि हेलिकॉप्टर सेवा का किराया अभी नहीं तय किया गया है लेकिन बुकिंग ऑनलाइन ही होगी। इसी सप्ताह विभागीय अफसरों के साथ बैठक होगी। इसमें किराया तय कर उसकी घोषणा की जाएगी। स्काई टूरिज्म का मिलेगा लाभ पर्यटन विभाग से जुड़े एक अफसर ने कहा कि यह पहल वाराणसी को ह्यस्काई टूरिज्मह्ल के नए केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगी। इससे स्थानीय रोजगार और पर्यटन कारोबार को बड़ा लाभ मिलेगा। क्या बोले अधिकारी हेलिकॉप्टर सेवा का प्रस्ताव मिला है। परीक्षण कराया जा रहा है। हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होती है तो जरूर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटकों को काशी का एक नया और अद्भुत अनुभव मिलेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं प्रमुख नगरों के लिये 80 पूजा विशेष ट्रेनें 1,208 फेरों में चलाई जा रही

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं प्रमुख नगरों के लिये 80 पूजा विशेष ट्रेनें 1,208 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 42 पूजा विशेष ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 1,276 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर 122 पूजा विशेष ट्रेनें 2,484 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन पूजा विशेष ट्रेनों के माध्यम से आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों में यात्रियों की यात्रा सुगम हो रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर से देश के प्रमख नगरों कोलकाता (सियालदह-30 फेरे), आसनसोल (14 फेरे), धनबाद (22 फेरे), मुम्बई (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-132 फेरे व पुणे-130 फेरे), नई दिल्ली (20 फेरे), डिब्रुगढ़ (14 फेरे), गुवाहाटी (नारंगी-18 फेरे), जोधपुर (18 फेरे), राँची (06 फेरे) एवं वडोदरा (20 फेरे) आदि स्टेशनों के लिये पूजा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त गोमती नगर से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-12 फेरे), जयपुर (खातीपुरा-14 फेरे), हैदराबाद (महबूबनगर-12 फेरे), न्यू जलपाईगुड़ी (12 फेरे) एवं सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु (36 फेरे); बढ़नी से अमृतसर (20 फेरे) एवं मुम्बई (बान्द्रा टर्मिनस-34 फेरे); बनारस से कोलकाता (14 फेरे) एवं मुम्बई सेन्ट्रल (16 फेरे); छपरा से सूरत (उधना-20 फेरे), अमृतसर (20 फेरे) एवं जालना (28 फेरे); मऊ से अम्बाला कैंट (18 फेरे), कोलकाता (16 फेरे), सूरत (12 फेरे), मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस-40 फेरे), जोधपुर (20 फेरे) एवं वडोदरा (18 फेरे); थावे से पटना (122 फेरे); गाजीपुर सिटी से मुम्बई (पुणे-38 फेरे); बलिया से पटना (पाटलिपुत्र-122 फेरे) एवं सूरत (उधना-20 फेरे); लालकुआँ से राजकोट (12 फेरे), कोलकाता (20 फेरे), वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झाँसी (14 फेरे) एवं प्रयागराज जं. (16 फेरे) तथा काठगोदाम से मुम्बई सेन्ट्रल (18 फेरे) इत्यादि स्टेशनों के मध्य पूजा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार, इस रेलवे के अन्य स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 42 पूजा विशेष ट्रेनें 1,276 फेरों में संचालित हो रही हैं।

स्कूल बस की चपेट में आने से 12वीं के छात्र की मौत

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर में टहलने निकले छात्र को स्कूल की बस ने पीछे से टक्कर मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है। बिरनो थाना क्षेत्र के अरखपुर गांव में बुधवार को स्कूली वाहन की चपेट में आने से 12वीं के छात्र मोनू कनौजिया (17) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मिनी बस मौके पर छोड़कर चालक भाग गया। लोगों ने एंबुलेंस से छात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां की तहरीर पर पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष बालेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक की मां ममता देवी ने पुलिस को तहरीर देकर

बताया कि अरखपुर निवासी मोनू कनौजिया (17) बुधवार की सुबह टहलने के लिए निकला था। इसी दौरान एक स्कूल की मिनी बस ने मोनू को सड़क के मोड़ पर पीछे से अपनी चपेट में ले लिया, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन और ग्रामीण उसे सीएचसी ले गए, लेकिन वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया कि मोनू शांति निकेतन इंटर कॉलेज, बरही में 12वीं का छात्र था। उसके दो भाई व दो बहन हैं। मां गृहिणी व पिता मुंबई में काम करते हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर फैल गई है। ग्रामीणों ने स्कूली बसों के लापरवाह संचालन पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कार्रवाई की मांग की है। वहीं, थानाध्यक्ष बालेंद्र कुमार ने बताया कि मिनी बस को जब्त कर लिया गया है। साथ ही मृतक की मां की तहरीर पर स्कूल के मिनी बस के ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

डॉक्टर की लापरवाही से ढाई साल के मासूम की मौत

कानपुर। कल्याणपुर के गोल्ड सिटी हॉस्पिटल में डॉक्टर की कथित लापरवाही के चलते ट्रैक्टर एक्सीडेंट में घायल ढाई साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। परिजनों के हंगामा करने और पुलिस के पहुंचने पर अस्पताल का सारा स्टॉफ फरार हो गया। कानपुर में कल्याणपुर स्थित गोल्ड सिटी हॉस्पिटल में डॉक्टर की कथित लापरवाही के चलते ढाई साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मंगलवार दोपहर दो बजे से लेकर रात आठ बजे तक बच्चे का इलाज शुरू ही नहीं किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, बच्चा शिवराजपुर थाना क्षेत्र के रामान गांव के पास ट्रैक्टर से हुए हादसे में घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए गोल्ड सिटी हॉस्पिटल लाया गया था। गुस्साए परिजनों का आरोप है कि इतने गंभीर मामले में भी डॉक्टरों ने छह घंटे से अधिक समय तक बच्चे का इलाज शुरू नहीं किया। सारा स्टॉफ अस्पताल छोड़कर फरार इसके कारण उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही गोल्ड सिटी हॉस्पिटल का सारा स्टॉफ अस्पताल छोड़कर फरार हो गया।

संक्षिप्त खबरें

पूजा विशेष गाड़ी का बलरामपुर स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 09043/09044 बान्द्रा टर्मिनस-बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी का बलरामपुर स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है।

बान्द्रा टर्मिनस से 12 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 09043 बान्द्रा टर्मिनस-बढ़नी पूजा विशेष गाड़ी बलरामपुर स्टेशन पर 06.22 बजे पहुँचकर 06.24 बजे प्रस्थान करेगी।

-बढ़नी से 13 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 09044 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी बलरामपुर स्टेशन पर 14.40 बजे पहुँचकर 14.42 बजे प्रस्थान करेगी।

नॉन-इंटरलॉक कार्य के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं रि-शिड्यूलिंग निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के उज्जैन स्टेशन के रिमॉडलिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में नॉन-इंटरलॉक कार्य के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं रि-शिड्यूलिंग निम्नवत किया जायेगा।

मार्ग परिवर्तन-

-हापा से 15 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 09525 हापा-नाहरलगुन विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग नागदा-उज्जैन-मक्सी-रुठियाई-शिवपुरी-ग्वालियर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नागदा-कोटा-रुठियाई-ग्वालियर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी उज्जैन, मक्सी, शाजापुर एवं ब्यावरा राजगढ़ स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

-उधना से 14 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 20961 उधना-बनारस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग नागदा-उज्जैन-मक्सी-रुठियाई-शिवपुरी-ग्वालियर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नागदा-कोटा-रुठियाई-ग्वालियर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी उज्जैन, मक्सी, शाजापुर एवं ब्यावरा राजगढ़ स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

-अहमदाबाद से 10 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 09465 अहमदाबाद-दरभंगा विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग नागदा-उज्जैन-मक्सी-शाजापुर-ब्यावरा राजगढ़-रुठियाई-गुना के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नागदा-कोटा-रुठियाई-गुना के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी उज्जैन स्टेशन पर नहीं रूकेगी।

-बान्द्रा टर्मिनस से 12 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 09043 बान्द्रा टर्मिनस-बढ़नी विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग नागदा-उज्जैन-मक्सी-संत हिरदाराम नगर-निशातपुरा-बीना के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नागदा-कोटा-सोगरिया-गुना-बीना के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी उज्जैन एवं संत हिरदाराम नगर स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

-नाहरलगुन से 11 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 09526 नाहरलगुन-हापा विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग ग्वालियर-रुठियाई-मक्सी-उज्जैन-नागदा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग ग्वालियर-रुठियाई-कोटा-नागदा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी ब्यावरा राजगढ़, शाजापुर, मक्सी एवं उज्जैन स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

-बढ़नी से 13 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 09044 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग बीना-निशातपुरा-संत हिरदाराम नगर-मक्सी-उज्जैन-नागदा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बीना-गुना-सोगरिया-कोटा-नागदा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी संत हिरदाराम नगर एवं उज्जैन स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

रि-शिड्यूलिंग-

-ओखा से 12 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस ओखा से 01 घंटा रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु निम्नलिखित पूजा विशेष गाड़ियों का विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव के समय में निम्नवत संशोधन किया गया

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु निम्नलिखित पूजा विशेष गाड़ियों का विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव के समय में निम्नवत संशोधन किया गया है।

-आनन्द विहार टर्मिनल से 12 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 04096 आनन्द विहार टर्मिनल-पाटलिपुत्र पूजा विशेष गाड़ी कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर संशोधित समयानुसार 07.10 बजे पहुँचकर 07.20 बजे प्रस्थान करेगी।

-पाटलिपुत्र से 12 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 04095 पाटलिपुत्र-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर संशोधित समयानुसार 13.40 बजे पहुँचकर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनल से 12 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 04096 आनन्द विहार टर्मिनल-पाटलिपुत्र पूजा विशेष गाड़ी छपरा स्टेशन पर संशोधित समयानुसार 18.35 बजे पहुँचकर 18.45 बजे प्रस्थान करेगी।

-पाटलिपुत्र से 12 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 04095 पाटलिपुत्र-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी छपरा स्टेशन पर संशोधित समयानुसार 03.25 बजे पहुँचकर 03.35 बजे प्रस्थान करेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनल से 11 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 04008 आनन्द विहार टर्मिनल-जोगबनी पूजा विशेष गाड़ी माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. स्टेशन पर संशोधित समयानुसार 20.30 बजे पहुँचकर 20.40 बजे प्रस्थान करेगी।

-जोगबनी से 12 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 04007 जोगबनी-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. स्टेशन पर संशोधित समयानुसार 13.30 बजे पहुँचकर 13.40 बजे प्रस्थान करेगी।

पुनर्निर्धारण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु वाराणसी मंडल के बलिया स्टेशन पर गर्डर लॉचिंग के परिप्रेक्ष्य में यातायात एवं पावर ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

मार्ग परिवर्तन-

-आनन्द विहार टर्मिनस से 08, 09, 11, 12 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 04090 आनन्द विहार टर्मिनस-पटना विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग औंड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी।

-छपरा से 09 एवं 10 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 15111 छपरा-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग छपरा-सीवान-भटनी-मऊ के रास्ते चलाई जायेगी। -पटलिपुत्र से 09 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 04095 पटलिपुत्र-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग छपरा-सीवान-भटनी-औंड़िहार के रास्ते चलाई जायेगी।

-फरूर्खाबाद से 08, 09, 11, 12 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 15084 फरूर्खाबाद-छपरा विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग मऊ-इंदारा-भटनी-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 153 अंक टूटा, निफ्टी 25100 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को भारतीय बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बड़ी बिकवाली के बाद 153.09 अंक गिरकर 81,773.66 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 62.15 अंक गिरकर 25,046.15 अंक पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के बाद बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 153.09 अंक या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,773.66 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 611.66 अंक के उतार-चढ़ाव के साथ 82,257.74 के उच्च स्तर और 81,646.08 के निम्न स्तर तक गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 62.15 अंक या 0.25 प्रतिशत गिरकर 25,046.15 पर आ गया।

त्योहार से पहले बाजार में उमड़ी भीड़, यातायात प्रभावित

संक्षिप्त समाचार

श्याम श्रीवास्तव प्रदेश संयोजक बने

ग्वालियर। अखिल विश्व सत्य सनातन संघ द्वारा मध्य प्रदेश का प्रदेश संयोजक श्याम श्रीवास्तव को बनाया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा उन्हें बधाई दी गई है। बधाई देने वालो में नंदकिशोर गोस्वामी, बलबीर सिंह परमार, अजय शर्मा एवं जगमोहन गुप्ता शामिल हैं।

स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त शहर के लिए किया जागरूक

ग्वालियर। नगर निगम और म्यूज फाउंडेशन की टीम द्वारा शहर के विभिन्न सार्वजनिक और पर्यटक स्थलों पर स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर), गांधी पार्क, फूलबाग और इटालियन पार्क में आमजनों को कचरे को अलग-अलग (गीला-सूखा) डस्टबिन में डालने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने और पुन: कपड़े के थैले अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही अपशिष्ट पृथक्करण की जानकारी दी गई और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई।

आठ शक्ति दीदियों ने संभाला पेट्रोल पंपों पर काम

ग्वालियर। जिले में आठ और जरूरतमंद महिलाओं को शक्ति दीदी बनाया गया। अब तक जिले में कुल 79 महिलाओं को विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल देने का काम देकर नवाचार को बढ़ाया गया है। मंगलवार को अपर कलेक्टर कुमार सत्यम और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने शहर के पांच पेट्रोल पंपों पर पहुंच कर महिलाओं का स्वागत किया और उन्हें जिम्मेदारी सौंपी। मुख्यत: थाटीपुर इंजीनियर फिलिंग स्टेशन, लक्ष्मीगंज हरीलीला सर्विसेज, जैन ब्रदर्स पेट्रोल पंप, कम्पू जैन मोटर्स और देव मंगल बाबा पेट्रोल पंप पर महिलाओं को शक्ति दीदी की भूमिका दी गई। इस अवसर पर प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए कि शक्ति दीदियों को मानदेय और सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

एड्स के प्रति किया जागरूक, बचाव के बताए उपाय

ग्वालियर। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एड्स पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. संजय पांडे ने विद्यार्थियों को एड्स बीमारी, उसके कारण, लक्षण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संक्रमित रक्त के माध्यम से यह गंभीर और जानलेवा बीमारी फैलती है, इसलिए हमेशा सुरक्षित और जांचे हुए रक्त का ही उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्लोगन, पोस्टर और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से एड्स जागरूकता को बढ़ावा दिया।

अवकाश के दिन भी खुली दुकानें

■ ग्वालियर

करवा चौथ का त्योहार शुक्रवार को मनाया जाएगा। इसके बाद धनतेरस और दीपावली का त्योहार मनेगा। इस त्योहारी सीजन में शहर के बाजार खिल उठे हैं और महाराज बाड़ा से लगे क्षेत्रों में जमकर खरीदारी हो रही है। जिससे दुकानदारों के चेहरे भी खिले हुए हैं। वहीं अवकाश के दिन भी मंगलवार को संपूर्ण बाजार खुला रहा और लोगों ने पहुंचकर जमकर खरीदारी की। कारोबारियों के अनुसार दीपावली तक अवकाश के दिनों में भी बाजार खुले रहेंगे। वहीं मुरार और ग्वालियर क्षेत्र में बंपर खरीदारी हुई।

करवा चौथ का त्योहार महिलाओं के लिए सबसे प्रमुख त्योहार है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर चांद और पति की पूजा करती है। सजने-संवरने के लिए साड़ी, लहंगे, आर्टीफिशियल गहने, चांदी की पायल, बिछुए और करवाचौथ सामान की अच्छी खरीदारी की जा रही है। साथ ही ब्यूटी पार्लरों पर भी बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंच रही हैं।

वन्दनवार बढ़ा रहे हैं बाजार की शोभा

दीपावली पर घर सजाने के लिए वन्दनवार और फूलों की लड़ों की बंपर बिक्री हो रही है। इनकी सबसे अधिक दुकानें दौलतगंज में हैं जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर मनपसंद वन्दनवारों को खरीद रहे हैं। इनकी कीमत 100 से 300 रुपए तक है।

बैठक में निर्णय: व्यापारियों के वाहन पार्किंग में, ग्राहकों के दुकान के सामने रखे जाएंगे

दीपावली त्योहार पर बाजारों में यातायात व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए मंगलवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात श्रीमती विदिता डागर ने व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में तय किया गया कि सराफा बाजार, दौलतगंज, महाराज बाड़ा जैसे व्यस्ततम बाजारों में व्यापारी और उनके कर्मचारी दुकान के सामने वाहन खड़े नहीं करेंगे, इनके वाहन नजदीकी पार्किंग में रखे जाएंगे। वहीं दुकानों के सामने सिर्फ ग्राहकों के ही वाहन खड़े होंगे। बैठक में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल तथा अन्य व्यापारी शामिल थे। व्यापारियों ने बैठक में सुझाव दिए और कुछ समस्याएं भी रखीं। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने व्यापारी वर्ग से अनुरोध किया कि आप खुर्जा वाला मोहल्ला, सराफा बाजार, दौलतगंज एवं महाराज बाड़ा के आसपास बनी तलघर की पार्किंग में स्वयं एवं अपने कर्मचारियो के वाहन पार्क कराएं एवं दुकान के सामने खाली स्थान पर क्रमानुसार ग्राहकों के वाहन खड़े करवाएं एवं खरीदारी करने आने वाले सभी ग्राहक महाराज बाड़ा पर एवं आसपास बनी तलघर पार्किंग जैसे कोठारी संस, वाकलीवाल कॉम्पलेक्स, लड्ढावाला एवं एक्सिस बैंक में पार्किंग वाहनों को पार्क करें। इसके साथ ही 20 स्थान चिन्हित किये गये हैं जिनमें त्योहारों पर पार्किंग व्यवस्था कराई जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों से कहा कि सराफा बाजार, दौलतगंज में खड़ी स्थाई चार पहिया वाहनों को हटाने के लिए व्यापारियों को कहें। इसके साथ ही भीड़भाड़ को दृष्टिगत रखते हुए ट्रैफिक के अतिरिक्त ड्यूटी प्वाइंट बढ़ाए जाएंगे।

परिवर्तित किए जाएंगे मार्ग

त्योहारों के दौरान पाटनकर चौराहा, हनुमान चौराहा, गांधी गोलम्बर, जनकगंज डिस्पेंसरी, रॉक्सी पुल एवं स्काउट गेट से यातायात परिवर्तित रहेगा। अत: टमटम और ऑटो का धनतेरस तक महाराज बाड़ा एवं सराफा बाजार में जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। वे अपने वाहन पिछाड़ी ड्योढ़ी तक ला सकेंगे।

'गांधी के परिधान में आत्मनिर्भरता का संदेश'

एमिटी में गांधी जीवन दर्शन पर कार्यक्रम आयोजित

■ ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांधी के सौंदर्यशास्त्र, फैशन और दर्शन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. इति रॉय चौधरी ने कहा कि गांधी जी का परिधान केवल सादगी का प्रतीक नहीं था, बल्कि उसमें स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का संदेश निहित है। आज का गांधीवादी फैशन पर्यावरण-संवेदी और स्थायी जीवनशैली की दिशा दिखाता है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. आरएस तोमर ने कहा कि गांधी जी का जीवन दर्शन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और उनकी सादगी को आधुनिक जीवनशैली में अपनाया जा सकता है। एमिटी फैशन संस्थान के निदेशक प्रो.अंशु सिंह चौधरी ने विद्यार्थियों से गांधी जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रचना, डॉ. मनीष दुबे सहित अन्य मौजूद रहे।

आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मांगा 11 माह का एरियर

ग्वालियर। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने प्रदेश के हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में शासन से ठोस नीति बनाने और लंबित एरियर भुगतान की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं मिशन संचालक को ज्ञापन दिया गया। संघ ने मांग की कि प्रदेशभर में कार्यरत आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों को 11 माह से लंबित एरियर का भुगतान तत्काल किया जाए। साथ ही दीपावली पर्व पर कर्मचारियों को एक माह का अतिरिक्त बोनस दिया जाए ताकि वे भी त्योहार खुशी से मना सकें। श्री सिंह ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में लगभग 30 हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अब तक इनके भविष्य को लेकर कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है।

ऋण मेले में मिली सलाह

छोटे व्यापारी बगैर आयकर रिटर्न के ले सकते हैं 2 लाख का ऋण

■ ग्वालियर

अग्र सेवा संस्थान (युवा इकाई) एवं भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से सोमवार को जीवाजी क्लब में ऋण मेले का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक ईश्वर नारायण सिंह, कार्तिक पाराशर, राजेश बंसल ने विभिन्न श्रेणी के ऋणों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में मौजूद करीब 50 लोगों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। मुख्य प्रबंधक ने बताया कि छोटे व्यापारी 2 लाख तक का ऋण बगैर आयकर रिटर्न के ले सकते हैं। साथ ही स्टेट बैंक में ऋण प्रक्रिया काफी आसान कर दी गई है। जिससे व्यापारी ऋण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। अध्यक्षता राजकुमार मित्तल ने की। कार्यक्रम संयोजक विपिन खेतान अध्यक्ष युवा इकाई, निखिल अग्रवाल, डॉ. हरिओम सिंघल, संस्था अध्यक्ष अजय जैन, महासचिव अशोक गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीराम गोयल, डॉ. अरविंद मित्तल, महिला अध्यक्ष नीलम गर्ग, ज्योति अग्रवाल, भारती अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, प्रतिभा गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, दीपक बंसल आदि उपस्थित रहे। संचालन एसएस अग्रवाल ने किया।

सड़क निर्माण के लिए भूमिपूजन

■ ग्वालियर

वार्ड 58 की पार्षद अपर्णा पाटिल ने बसंत विहार के डी-ब्लॉक की जीर्णशीर्ण सड़क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। यह सड़क पिछले 15 वर्षों से क्षतिग्रस्त अवस्था में थी और स्थानीय निवासियों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पार्षद श्रीमती पाटिल ने बताया कि इस सड़क निर्माण के लिए 16.63 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से कुछ राशि उनकी पार्षद निधि से भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ठेकेदार द्वारा कार्य में विलंब होने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों पर लगातार दबाव बनाया और दो नोटिस भी जारी किए। भूमि पूजन समारोह में डॉ. गौरव त्रिपाठी, अज्ञात गुप्ता, अभिभाषक प्रशांत शर्मा, वरुण अग्रवाल, नितिन बंसल, वीरेंद्र तिवारी, विजय वाधवानी, डॉ. नवीन शुक्ला आदि मौजूद रहे।

100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे देखे, लुटेरों का नहीं मिला सुराग

■ ग्वालियर

शहर में 7 दिन पहले मंदिर के दर्शन कर लौट रही ईओडब्ल्यू प्रधान आरक्षक राजवीर सिंह भदौरिया की मां शांतिदेवी के साथ लूट करने वाले बदमाशों का सुराग नहीं मिला है। ऐसा नहीं कि पुलिस ने प्रयास कम किए हैं, पुलिस ने सुराग जुटाने के लिए कटोरातल रोड से कैंसर पहाड़ी के दूसरे छोर तक लगे 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज तलाशे हैं, लेकिन सुराग नहीं मिला। इस मामले में कंपू थाने की पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच भी काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि 7 दिन पहले मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहीं ईओडब्ल्यू में पदस्थ प्रधान आरक्षक राजवीर सिंह भदौरिया की

81 वर्षीय मां शांतिदेवी भदौरिया पर हमला कर बदमाशों ने कंगन लूट लिए थे। बदमाशों ने कंगन सोने के समझे थे, लेकिन वह पीतल के थे। शुरुआती पड़ताल में पुलिस को पता चला था कि वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की संख्या 4 है।

हमले में शांतिदेवी के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई थी। लेकिन घायल होने के बावजूद बुजुर्ग किसी तरह झाड़ियों से बाहर आई थी और मदद के लिए आसपास के लोगों को आवाज देकर बुलाया था। बुजुर्ग की आवाज और उनको घायल देखकर उसे दौरान वहां मौजूद लोगों ने तत्काल उनके पास पहुंचे थे और घटना की सूचना उनके बेटे राजवीर को फोन कर दी थी।

पुराने बदमाश और नशेड़ियों से पूछताछ

लूट की इस सनसनीखेज वारदात को सुलझाने के लिए पुलिस ने क्षेत्र में गतिविधि रखने वाले पुराने बदमाशों और नशेड़ियों से पूछताछ की है, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं आया है। पुलिस की आशंका यही है कि बदमाश नशेड़ियों के बीच के ही हैं। इसलिए नशेड़ियों के बीच में भी मुखबिर सक्रिय किए हैं।

लालटिपारा की तर्ज पर वृंदावन में भी बनाईं जाएंगीं गौशालाएं

■ ग्वालियर

हरिद्वार के श्रीकृष्णायन संतो द्वारा संचालित आदर्श लालटिपारा गौशाला देश में रॉल मॉडल बन चुकी है। इसकी बेहतर संचालन क्षमता और प्रबंधन देखने-सीखने के लिए मथुरा-वृंदावन जिला प्रशासन और पशु चिकित्सा विभाग की टीम मंगलवार को लालटिपारा गौशाला पहुंची। टीम का नेतृत्व एसडीएम विभोर और पशु चिकित्सक डॉ. राकेश तिवारी ने किया। अधिकारियों ने गौशाला का भ्रमण कर गौ माता के कुशल संरक्षण, चारे के वितरण, सफाई उपकरणों के उपयोग और संचालन की स्थिति का निरीक्षण किया। इसके अलावा, बायो सीएनजी प्लांट का भी अवलोकन किया गया, जहां संत मधुरेंद्र महाराज ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 1200 किलो गैस गोबर से उत्पादन किया जा रहा है। टीम ने कहा कि वृंदावन में भी सुविधा युक्त गौशालाओं का निर्माण किया जाएगा और लालटिपारा गौशाला के मॉडल को अपनाया जाएगा।

वाल्मीकि जयंती पर अवकाश पर रहे सफाई कर्मी

निगम की तैयारी के बाद भी नहीं उठे कचरे के ढेर

■ ग्वालियर

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंगलवार को नगर निगम के सफाई कर्मियों के अवकाश पर जाने से शहर की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त रही। हालांकि निगम प्रशासन ने पहले से रणनीति बनाकर वैकल्पिक इंतजाम करने का दावा किया था, लेकिन हकीकत में स्थिति उलट रही। तानसेन रोड, कांच मिल पटरी रोड, मामा का बाजार, हैदरगंज, लक्कड़खाना, कंपू, नया बाजार, इंडस्ट्रीयल क्षेत्र सहित कई इलाकों में कचरे के ढेर लगे रहे, जिससे लोगों को दुर्गंध और असुविधा झेलनी पड़ी।

दरअसल नगर निगम ने दावा किया था कि सफाई कर्मियों के अवकाश पर रहने के बावजूद शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी। इसके लिए डिपो प्रभारियों को डंपर, जेसीबी और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से सफाई कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन मंगलवार सुबह से ही कई प्रमुख क्षेत्रों में कचरा उठाने का कार्य ठप पड़ा रहा। तानसेन रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र की बात करें तो यहां मुख्य सडक पर कचरे का ढेर लगा रहा।

इसी तरह कांच मिल पटरी रोड पर भी कचरे के ढेर लगे रहे। क्षेत्र के निवासियों ने बताया कि निगम अधिकारियों ने सफाई व्यवस्था संभालने का दावा किया था, लेकिन न तो समय पर वाहन आए और न ही डंपिंग की व्यवस्था रही। उधर दीपावली का त्योहार नजदीक आने के कारण लोग अपने घरों की सफाई में जुटे हुए हैं। इस वजह से कचरे की मात्रा सामान्य दिनों से कहीं अधिक है। ऐसे में सफाई कर्मचारियों के काम पर लौटने के बाद भी कचरे के ढेर खत्म होने में कम से कम दो से तीन दिन का समय लगेगा।

वरिष्ठ नागरिक परिसंघ की बैठक में पेंशन सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिक परिसंघ पदाधिकारियों की बैठक पीएचई कॉलोनी में आयोजित की गई। अध्यक्षता केएस माथुर ने की। बैठक के प्रथम सत्र में अटल पेंशन योजना को स्वीकार करने का सरलीकरण सरकार को कराने, निजी उद्योगों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन में सरकार के आदेशों बाद भी उनकी बढ़ोत्तरी हेतु भविष्य निधि कार्यालयों को न भेजने पर चिन्ता व्यक्त कर सरकार को सशक्त कदम उठाने का विचार रखा। साथ ही लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन धारा 4 हटाने के पूर्व लम्बित आवेदनों को सरकार से स्वीकृत कराने आदि विषयों पर

चर्चा हुई। बैठक में अखिल भारतीय संगठन मंत्री सुरेश पालीवाल ने वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने की संगठन मांग को स्वीकार करने पर आभार व्यक्त किया। द्वितीय सत्र में प्रदेश महामंत्री चन्द्रशेखर व्यास ने सभी जिला इकाइयों की सराहना की। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व मंत्री ध्यानेन्द्र सिंह, पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, वरिष्ठ समाजसेवी केशव पाण्डे, महेश मुदगल, रामबाबू कटारे, अध्यक्ष ब्रजकिशोर शर्मा, आसाराम पाठक, वीरेन्द्र कटारे, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, हरीदास वर्मा, महेन्द्र सिंह सेंगर आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

बिहार में चुनावी बहार

आखिरकार, चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दो दशक में पहली बार इतनी कम अवधि तथा दो चरणों में मतदान छह व ग्यारह नवंबर को होगा और मतगणना चौदह नवंबर को होगी। विवादों के केंद्र में रही चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर विपक्ष की राजनीति राजग गठबंधन को चुनौती देगी। एक घटक, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। जो पलायन व भ्रष्टाचार के मुद्दे को पार्टी का लक्ष्य बता रहे हैं। बहरहाल, लोकसभा चुनाव सात चरण में कराने के खट्टे अनुभवों से सबक लेकर चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों की मांग पर विधानसभा चुनाव दो चरणों में समेटने का निर्णय लिया है। लेकिन यह तय है कि जिस तरह आनन-फानन में पर्याप्त तैयारियों की कमी के बीच एसआईआर को अंजाम दिया गया, उसको लेकर तमाम तरह के सवाल उभरते ही रहेंगे। यहां तक कि मामले में बार-बार शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा। अभी आयोग को उन लोगों की शिकायत का सामना करना पड़ेगा, जो वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं देख पा रहे हैं। बहरहाल, एक बात तो तय है कि दो दशक से बिहार की राजनीति के केंद्र में बने हुए नीतीश कुमार को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि राजग नेतृत्व को उम्मीद है कि हाल के दिनों में कराए गए विकास कार्य तथा लोकलुभावनी योजनाओं की बरसात से वोटों की फसल सींची जा सकेगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बिहार का जनमानस नीतीश को फिर से गद्दी सौंपता है या फिर उत्साहित महागठबंधन को सत्ता में आने का मौका देता है। कांग्रेस व राजद का कई मतभेदों के बावजूद एकजुट रहना सुशासन बाबू के लिये मुश्किलें जरूर पैदा कर सकता है। इन चुनावों में मोदी-शाह की प्रतिष्ठा का भी मूल्यांकन होगा। नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा भी इन चुनावों में दांव पर लगी है कि क्या वे दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाएंगे। बहरहाल, इस बार सुशासन बाबू की प्रतिष्ठा भी दांव पर है, जब विपक्ष ने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के सवाल को बड़ा मसला बना दिया है। जिस मुद्दे पर नीतीश अब तक राजद सरकार को जंगल राज बताकर घेरते रहे हैं, वही अस्त्र अब महागठबंधन की ओर से चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर विवादों के आलोक में मतदाताओं में असमंजस की बात कह रहा है। उसकी दलील है कि अब जब चुनाव में कुछ ही हफ्ते बाकी हैं विशेष गहन पुनरीक्षण अभी भी न्यायिक जांच के दायरे में है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। दरअसल, 24 जून को चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान शुरू करने के बाद मतदाताओं की संख्या में खासा फेरबदल होता रहा है। अभियान शुरू करते वक्त बिहार में मतदाताओं की संख्या 7.9 करोड़ थी, फिर एक अगस्त को जारी मसौदा सूची में यह संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई। मृत्यु,प्रवास और दोहराव सहित विभिन्न आधारों पर 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। अब अंतिम सूची में 7.42 करोड़ मतदाता हैं। मसौदा सूची में 21.53 लाख नाम जोड़े गए हैं और कुल 3.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों की दुविधा दूर करने के लिये चुनाव आयोग से कुछ सवालों का जवाब तुरंत देने को कहा है। निस्संदेह, न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण, एसआईआर में कुछ हद तक पारदर्शिता देखी गई है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग को उन अवैध प्रवासियों की संख्या साझा करने की जरूरत है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए थे। उम्मीद की जानी चाहिए कि अखिल भारतीय एसआईआर शुरू करने से पहले बिहार से सबक लेकर सामने आई कमियों को दूर करने की दिशा में चुनाव आयोग पहल करेगा। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि महिलाओं, दिव्यांगों व बुजुर्गों के लिये बड़े पैमाने पर की गयी घोषणाओं का कितना लाभ सुशासन बाबू को मिलता है।

मोदी ने माहौल ही बदल डाला, अब ब्रिटेन जैसी आर्थिक ताकतें भारत से मदद माँग रही हैं

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर का दो दिवसीय भारत दौरा ऐसे समय पर शुरू हुआ है जब वैश्विक आर्थिक और सामरिक संतुलन नई परिभाषाएँ गढ़ रहा है। मुंबई पहुँचे स्टार्मर अपने साथ 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल लेकर आए हैं जिनमें प्रमुख उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह यात्रा केवल औपचारिक नहीं, बल्कि व्यापार और निवेश को नई दिशा देने का प्रयास भी है। यह दौरा उस व्यापक आर्थिक परिदृश्य में घटित हो रहा है जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ फिर से संरक्षणवाद की ओर लौटती प्रतीत हो रही हैं। भारत पर बढ़ते अमेरिकी टैरिफ, तकनीकी निर्यात पर नियंत्रण और वीजा शुल्क में वृद्धि जैसी नीतियाँ भारतीय निर्यात और सेवा क्षेत्र पर दबाव बना रही हैं। ऐसे में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत के लिए एक संभावित राहत संकेत के रूप में देखी जा सकती है– विशेषतः तब, जब भारतझब्रिटेन के बीच हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता अब नीति के धरातल से क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई में संपन्न व्यापार समझौता विजन 2035 की परिकल्पना पर आधारित है, जो अगले दशक में शिक्षा, प्रौद्योगिकी, जलवायु, रक्षा और जनसंपर्क के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने का लक्ष्य रखता है। इस समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन ने अपने बाजार में 99 प्रतिशत उत्पादों पर टैरिफ समाप्त करने की घोषणा की है। हालांकि इसका प्रत्यक्ष लाभ भारतीय निर्यात के लगभग 45 प्रतिशत हिस्से यानि कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, वाहन आदि तक सीमित रहेगा, फिर भी यह भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। ब्रिटेन के लिए भी यह सौदा महत्त्वपूर्ण है। विशेषकर स्कॉटलैंड के व्हिस्की उद्योग के लिए टैरिफ 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत और अगले दस वर्षों में 40 प्रतिशत तक लाना एक ऐतिहासिक कदम है। यह कदम ब्रिटेन की घरेलू अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद वैश्विक व्यापार में नई साझेदारियों की खोज की उसकी रणनीति का हिस्सा है। हालाँकि यह समझौता अभी ब्रिटिश संसद की प्रक्रिया में है और 2026 की शुरूआत से पहले लागू नहीं हो पाएगा, फिर भी यह दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में स्थायित्व और दीर्घकालिकता का संकेत देता है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार लगभग 59 अरब डॉलर का है, और अनुमान है कि अगले पाँच वर्षों में यह दुगना हो सकता है। देखा जाये तो अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों– विशेषकर इस्पात,

औद्योगिक पुर्जों और औषधीय निर्यात पर बढ़ाए गए टैरिफ से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हुई है। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत को न केवल एक वैकल्पिक बाजार प्रदान करेगा, बल्कि यूरोप में अपनी उपस्थिति को सशक्त करने का अवसर भी देगा। इसके अतिरिक्त, ब्रिटेन की वित्तीय संस्थाओं– जैसे स्टैंडर्ड चार्टर्ड, बार्कलेज, एचएसबीसी और रोल्स रॉयस जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों का इस यात्रा में शामिल होना इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन भारत में दीर्घकालिक निवेश को लेकर गंभीर है। मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कीयर स्टार्मर की संयुक्त उपस्थिति दोनों देशों की डिजिटल और तकनीकी साझेदारी को नया आयाम देगी। हम आपको याद दिला दें कि भारतझब्रिटेन संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में एक संवेदनशील मोड़ आया था, विशेषकर जब ब्रिटिश लेबर पार्टी ने कश्मीर मुद्दे पर भारत विरोधी रुख अपनाया था। मगर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने उस रुख को संशोधित करते हुए भारत के साथ विश्वसनीय साझेदारी पर बल दिया है। विजन 2035 इसी राजनीतिक पुनर्संतुलन का परिणाम है। सुरक्षा दृष्टि से भी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा महत्वपूर्ण है। लंदन में सक्रिय खालिस्तानी समूहों से भारत की सुरक्षा एजेंसियों को जो चुनौतियाँ मिलती रही हैं, उन्हें लेकर दोनों देशों के बीच आपसी समझ बढ़ाने की आवश्यकता है। ब्रिटेन की नई टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव में भारत की भागीदारी साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे दक्षिण एशिया में एक संतुलित तकनीकी शक्ति-संतुलन बनेगा। हालाँकि स्टार्मर की यह यात्रा व्यापारिक दृष्टि से उत्साहजनक है, परंतु आव्रजन नीति को लेकर ब्रिटिश रुख अब भी कड़ा है। स्टार्मर ने स्पष्ट किया है कि मुक्त व्यापार समझौते के बावजूद भारतीय कुशल पेशेवरों के लिए नए वीजा अवसर नहीं खोले जाएँगे। यह स्थिति उन भारतीय युवाओं के लिए निराशाजनक है जो ब्रिटेन के आईटी, स्वास्थ्य या वित्तीय क्षेत्र में अवसर तलाश रहे हैं। दरअसल, ब्रिटेन का तर्क है कि वह व्यवसाय-से-व्यवसाय निवेश पर अधिक ध्यान देना चाहता है, न कि आव्रजन विस्तार पर। किंतु यह भी सत्य है कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था वर्तमान में श्रमिकों की कमी से जूझ रही है और कई उद्योगपतियों ने चेताया है कि अत्यधिक प्रतिबंधात्मक नीति से लंदन का टैलेंट पूल कमजोर पड़ सकता है। यदि ब्रिटेन वास्तव में वैश्विक प्रतिभा को आकर्षित करना चाहता है, तो उसे संतुलित और पूर्वानुमेय आव्रजन नीति अपनानी होगी। साथ ही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में भी नये समीकरण गढ़ सकती है। पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों के साथ ब्रिटेन के संबंध भारत के माध्यम से परोक्ष रूप से प्रभावित होते हैं। यदि भारतझब्रिटेन साझेदारी स्थिर और सशक्त होती है, तो ब्रिटेन की दक्षिण एशिया नीति का केंद्र भारत बन जाएगा। इससे क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने की संभावना भी बढ़ेगी। साथ ही ब्रिटेन का यह झुकाव भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकता है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक सहयोग को भी बल मिलेगा। देखा जाये तो कीयर स्टार्मर की भारत यात्रा भारतझब्रिटेन संबंधों में एक नया अध्याय खोल सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह यात्रा प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक है, जहाँ आर्थिक साझेदारी, तकनीकी सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, तीनों का संगम दिखाई देता है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों के बीच ब्रिटेन के साथ यह निकटता भारत को पश्चिमी व्यापारिक ढांचे में एक संतुलित शक्ति के रूप में स्थापित कर सकती है। हालांकि आव्रजन नीति और सुरक्षा चिंताएँ अभी भी अवरोध की तरह हैं, फिर भी यह यात्रा एक संदेश देती है कि विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य में भारत अब केवल साझेदार नहीं, बल्कि एक निर्णायक केंद्रबिंदु बन चुका है। यहां यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि ब्रिटेन की घरेलू अर्थव्यवस्था वर्तमान में धीमी विकास दर, उच्च राष्ट्रीय ऋण और उत्पादकता में कमी जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में भारतीय बाजार में अवसर तलाशना ब्रिटेन के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बन गया है। भारतीय उपभोक्ता बाजार का आकार, निर्यात की विविधता और तकनीकी नवाचार की दिशा ब्रिटिश निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर ने व्यापार और निवेश को प्राथमिकता दी है और 125 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे को केवल औपचारिक नहीं बल्कि रणनीतिक महत्व वाला मिशन बनाया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर की जुगलबंदी केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किया जा रहा है। वित्त, तकनीक, और वैश्विक व्यापार के मंचों पर दोनों नेताओं की रणनीतिक साझेदारी नए संदेश देती है कि भारत और ब्रिटेन मिलकर वैश्विक आर्थिक और सामरिक परिदृश्य को नया आकार दे सकते हैं। जैसे मंचों पर उनकी साझा उपस्थिति और उच्चस्तरीय वार्तालाप यह संकेत देते हैं कि यह गठबंधन दुनिया के निवेशकों, तकनीकी नवप्रवर्तकों और व्यापारिक समुदाय के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन चुका है।

शरीर में खोजा सुरक्षा गार्ड, ट्रंप से पहले कैसे नोबेल ले उड़े ये तीन वैज्ञानिक

नोबल पुरस्कारों की घोषणा होनी शुरू हो चुकी है। अलग अलग दिन अलग अलग कैटेगरी में पुरस्कार दिए जाते हैं। इसी क्रम में शांति पुरस्कार की भी बारी आएगी। 10 अक्टूबर को शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। ऐसे में नोबेल पुरस्कार से ज्यादा किस विषय में किसको मिला इस पर दिलचस्पी रहती है। फिजिक्स, मेडिसिन के क्षेत्र में पुरस्कार की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में 10 तारीख को जब नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो रही होगी तो हर किसी की नजर इस बात पर रहेगी कि आखिर शांति का नोबेल पुरस्कार किस महान हस्ती को मिलेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पिछले कार्यकाल से ही नोबेल शांति पुरस्कार के लिए दांव लगाए बैठे हैं। ट्रंप की तमन्ना है कि जैसे कभी ओबामा को नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। इन्हें भी शांति पुरस्कार दे दिया जाए। इलाज का भविष्य बदलने वाले वैज्ञानिकों को नोबेल 2025 का नोबेल पुरस्कार फिजियोलॉजी यानी कि मेडिसिन में अमेरिका की मैरी ई ब्राक अमेरिका के फ्रेड रामसडेल और जापान के शिमोन साकागूची को दिया गया है। यह पुरस्कार उनकी पेरिफेरल इम्यूनिटी टॉलरेंस यानी कि शरीर के बाहरी हिस्सों में इम्यूनिटी सिस्टम की सहनशीलता से जुड़ी खोजों के लिए है। यह खोज शरीर की रक्षा प्रणाली को समझने में क्रांति लाई है। ऑटोइम बीमारियों जैसे कि रूमेटाइड, ऑथोर्राइटिस, टाइप वन डायबिटीज और ल्यूपस से इलाज का रास्ता खोलेगी। रिसर्च से यह भी समझने में मदद मिली कि शरीर इम्यून रिस्पॉन्स कैसे कंट्रोल करता है। कब सिस्टम गड़बड़ाता है। इससे वैज्ञानिक बीमारियों की जड़ तक पहुंच पा रहे हैं व इलाज के नए तरीके

ढूंढ़ पा रहे हैं। यह खोज कई गंभीर बीमारियों के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। इम्यूनिटी टॉलरेंस क्या है? हमारा शरीर इम्यूनिटी सिस्टम यानी कि रोग प्रतिरोधक क्षमता वायरस या बैक्टीरिया जैसे खतरे से हमेशा लड़ता है। लेकिन कभी-कभी यह सिस्टम गलती से अपने ही अंगों पर हमला कर देता है जिसे ऑटोइम बीमारी कहते हैं। वैज्ञानिकों को लगता था कि इम्यूनिटी सेल्स शरीर के अंदर ही टॉलरेंट बन जाती है जिसे सेंट्रल इम्यूनिटी टॉलरेंस कहते हैं। लेकिन विजेताओं ने दिखाया है कि शरीर के बाहरी हिस्सों में भी एक खास तंत्र काम करता है जो इम्यूनिटी सिस्टम को नियंत्रित रखता है। इससे शरीर के अंग सुरक्षित रहते हैं। ये है खोज और उससे फायदा इम्यून सिस्टम जब किसी वायरस या बैक्टीरिया से लड़ता है, तो कभी-कभी गलती से वह अपने ही अंगों या सेल्स पर हमला कर सकता है। रेगुलेटरी-सेल्स नाम के सुरक्षा गार्ड सेल्स की पहचान की, यही सेल्स इम्यून सिस्टम को अपने ही अंगों पर हमला करने से रोकते हैं। इस खोज से कैंसर, ऑटोइम्यून रोग और ऑर्गन ट्रांसप्लांट के इलाज में नई राह खुली, कई इलाज क्लिनिकल ट्रायल के दौर में हैं। कब हुई थी नोबेल पुरस्कार की स्थापना नोबेल प्राइज की स्थापना 1895 में की गई थी और पुरस्कार 1901 में दिया गया। 1901 से 2024 तक मेडिसिन की फील्ड में 229 लोगों को इससे सम्मानित किया जा चुका है। 10 दिसंबर को ही क्यों दिए जाएंगे पुरस्कार ? पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर को होगा, जो इन पुरस्कारो की स्थापना करने वाले अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि है। नोबेल डायनामाइट के आविष्कारक थे। उनका निधन 1896 में हुआ था। ट्रंप को मिलेगा या नहीं शांति का नोबेल लोगों की दिलचस्पी यह जानने में है कि शांति का नोबेल अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को दिया जाता है या नहीं? तो वह घड़ी नजदीक आ चुकी है, जब शाति के नोबेल का ऐलान होने वाला है। 2018 से अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रप को कई बार नोबेल शाति पुरस्कार के लिए नामित किया जा चुका है। ट्रंप का दावा है कि उन्होंने अब तक कई युद्ध रुकवाए हैं। वहीं, नोबेल समिति के एक सदस्य ने कहा था कि इस बार ट्रंप के नाम पर विचार करना मुश्किल होगा, क्योंकि जिन उपलब्धियों के नाम पर उनका दावा किया जा रहा है, वह नोबेल नॉमिनेशन की आखिरी तारीख के बाद की है।

डॉ. बी. आर. आंबेडकर और उनका स्वतंत्रता बाद के भारत में अस्पृश्यता का अनुभव

एस. आर. दारापुरी

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (1891-1956), भारतीय संविधान के प्रमुख निमार्ता और भारत के पहले कानून मंत्री, भारतीय समाज के सबसे उत्पीड़ित सामाजिक तबके-तथाकथित ष्अछूतोंष से आए थे। अपनी प्रखर बुद्धि, शिक्षा और राजनीतिक स्थिति के बावजूद, मंत्री पद ग्रहण करने के बाद भी उन्हें जातिगत भेदभाव के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष रूपों का सामना करना पड़ा। यह शोधपत्र आंबेडकर के लेखन, भाषणों और जीवनी संबंधी विवरणों से ऐसे भेदभाव के प्रमुख उदाहरणों का दस्तावेजीकरण करता है। डॉ. आंबेडकर का सत्ता में आना भारत के जातिगत पदानुक्रम से एक क्रांतिकारी विच्छेद का प्रतीक था। फिर भी, उनके प्रति सामाजिक पूर्वाग्रह का बने रहना भारत की राजनीतिक और नौकरशाही संरचनाओं में जाति की गहरी जड़ें जमाए हुए प्रकृति को दशार्ता है। निम्नलिखित खंड जाति-आधारित भेदभाव की उन सत्यापित घटनाओं का विश्लेषण करते हैं जिनका सामना अंबेडकर ने विधि एवं श्रम मंत्री (1947-1951) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान किया था। प्रधानमंत्री नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद भी, अंबेडकर को उनके उच्च-जाति के सहयोगियों द्वारा सामाजिक रूप से हाशिए पर रखा गया था मंत्री के रूप में भी, डॉ. अंबेडकर के कुछ सहयोगियों ने, जो उनकी जातिगत उत्पत्ति को नहीं भूल पाए थे, उनके साथ

कृपालु व्यवहार किया। उन्हें अनौपचारिक समारोहों में शायद ही कभी आमंत्रित किया जाता था और अक्सर वे मंत्रिमंडल के भीतर सामाजिक रूप से अलग-थलग महसूस करते थे। अपने आधिकारिक पद के बावजूद, अंबेडकर ने खुद को उसी सरकार में अजनबी पाया जिसे बनाने में उन्होंने मदद की थी। संवैधानिक परिवर्तन के साथ जाति की सामाजिक दीवारें नहीं ढहीं। बेडकर को अपने मंत्रालयों के भीतर उच्च-जाति के नौकरशाहों के लगातार प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। उनके प्रस्तावों को अक्सर पारंपरिक हिंदू पृष्ठभूमि के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निष्क्रिय प्रतिरोध का सामना करना पड़ता था। एक अछूत मंत्री के प्रति उनका पूर्वाग्रह बहुत कम छिपा होता था। मंत्रालय की कार्यप्रणाली स्वभाव से नहीं, बल्कि जानबूझकर धीमी है। मैं कभी-कभी सोचता हूँ कि क्या वे मेरे पद के कारण मेरी बात मानते हैं या मेरे जन्म के कारण मेरी अवज्ञा करते हैं। आंबेडकर द्वारा हिंदू संहिता विधेयक प्रस्तुत करने परकृजिसका उद्देश्य महिलाओं को समान संपत्ति और वैवाहिक अधिकार प्रदान करना थाकृतीखी प्रतिक्रिया हुई। हिंदू संहिता विधेयक का विरोध स्पष्ट रूप से जातिवादी स्वर में थाय आंबेडकर की निंदा एक ह्यअछूत सुधारकह्न के रूप में की गई, जिन्हें शास्त्रों की पुनर्व्याख्या करने का कोई अधिकार नहीं था। 1951 में अंबेडकर का इस्तीफा राजनीतिक विश्वासघात और विपक्ष में अंतर्निहित सामाजिक पूर्वाग्रह, दोनों का परिणाम था। आधिकारिक यात्राओं के दौरान भी, जातिगत भेदभाव सामने आया। धनंजय कीर (1954) बताते हैं कि मध्य भारत की एक यात्रा के दौरान, स्थानीय अधिकारियों ने अछूतों की परंपरा का पालन करते हुए अंबेडकर को अलग बर्तनों में खाना परोसा। अंबेडकर ने भोजन लेने से इनकार कर दिया और उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए कहा मैं यहाँ गाँव के कुएँ की याद दिलाने नहीं आया हूँ। 1951 में नेहरू मंत्रिमंडल से अंबेडकर के इस्तीफे के बाद, किसी भी कांग्रेस नेता ने सार्वजनिक रूप से उनके योगदान को स्वीकार नहीं किया। उनके इस्तीफे के बाद, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने स्पष्ट रूप से चुप्पी साध ली। उनका सामाजिक अलगाव राजनीतिक जीवन में जारी जातिगत बाधाओं को दशार्ता है। मुझे इस्तेमाल किया गया और त्याग दिया गया।

लोकतंत्र को कुचलने में गोडसे का रवैया

देश में दलितों को अधिकारसंपन्न होते देख सवर्णों का एक बड़ा तबका किस कदर आहत है, इसका बड़ा उदाहरण सोमवार को सामने आया, जब भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की ओर एक वकील ने जूता फेंक दिया। इस जगह पर हमने कल भी लिखा था कि भारत की आजादी के बाद से किसी मुख्य न्यायाधीश का या न्यायपालिका का इस तरह अपमान इससे पहले कभी नहीं हुआ। उस आरोपी वकील को पुलिस ने फौरन पकड़ लिया। लेकिन यह इस घटना का पटाक्षेप नहीं था। मुख्य न्यायाधीश गवई ने आरोपी पर किसी तरह का मामला दर्ज करने से साफ इंकार कर दिया और यह भी कहा कि वे ऐसी घटनाओं से विचलित नहीं होते हैं, जिसके बाद आरोपी को छोड़ दिया गया। अब उसका बाकायदा साक्षात्कार समाचार एजेंसी एएनआई ने लिया, जिसमें राकेश किशोर ने खुलकर कहा कि उसे इस बात का कोई पछतावा नहीं है। बल्कि इस कृत्य को भगवान का आदेश उसने बता दिया। भारतेंदु हरिश्चंद्र होते तो भारत दुर्दशा का दूसरा हिस्सा लिखते और फिर कहते कि हा हा भारत दुर्दशा न देखी जाई। लेकिन भारत की ऐसी दुर्दशा होते देखना शायद जनता की मजबूरी बन चुकी है। जहां प्रधानमंत्री खुद को अवतरित बताएं, पूर्व मुख्य न्यायाधीश कहें कि उन्होंने राम मंदिर पर फैसला देवी की मूर्ति के सामने बैठकर लिया और एक आरोपी कहे कि देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर बैठे व्यक्ति पर जूता उछालने के लिए उसे भगवान ने कहा है। जब सब कुछ भगवान भरोसे ही चल रहा है, तो फिर सरकार की भी क्या जरूरत है। वैसे भी सरकार अपना दायित्व पूरा करते नहीं दिख रही है। जिस घटना पर विपक्ष ने फौरन निंदा करते हुए प्रतिक्रिया दे दी, उस पर प्रधानमंत्री ने कई घंटे सिर्फ ये कहने में लगा दिए कि मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटना से हरेक भारतीय आहत है। क्या मोदीजी का सूचना तंत्र वाकई इतना कमजोर है कि उन्हें हर बड़ी घटना पर प्रतिक्रिया देने में कई घंटे लग जाते हैं। पुलवामा हमला, पहलगाम हमला दोनों आतंकी घटनाओं में श्री मोदी ने देर से जवाब दिया और अब न्यायपालिका पर हमले में उनका रवैया ढीला ढाला रहा। इस बीच सोशल मीडिया पर बहुत से दक्षिणपंथी लोगों ने श्री गवई के लिए अपमानजनक ट्वीट करने शुरू कर दिए। कुछ यूट्यूबर्स का सितंबर आखिरी में रिकार्ड किया एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे खुलकर जस्टिस गवई के लिए अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं और परोक्ष तौर पर हिंदुओं से आान कर रहे हैं कि उन पर हमला हो। इस वीडियो में तीन कथित पत्रकार चर्चा कर रहे हैं, जिनमें एक कहता है कि, शमैं एक गांधीवादी हूं। मैं हिंसा का समर्थन नहीं करता। अगर मैं करता, तो मैं कहता, श्देखो, अगर गवई जी झगड़ा करते हैं, तो वे कचहरी में रहते हैं, और वहां हिंदू वकील हैं। कम से कम एक हिंदू वकील को गवई जी का सिर पकड़कर दीवार पर जोर से मारना चाहिए, ताकि उसके दो टुकड़े हो जाएं। लेकिन मैं हिंसा का बिल्कुल समर्थन नहीं करता।श वहीं दूसरा पत्रकार ने जस्टिस गवई की कार को घेरने का भी सुझाव दिया था। और इस चर्चा में यह बात भी कही गई कि श2 अक्टूबर आ रहा है। गोडसे ने जो किया वह तुम्हारी क्षमता से परे है, लेकिन तुम गांधी बन सकते हो। गवई के चेहरे पर थूकने की आईपीसी की धारा के तहत अधिकतम सजा क्या है? छह महीने से ज्यादा नहीं? बस इतना ही। हिंदू तो ऐसा भी नहीं कर सकते? यह पूरी चर्चा सीधे तौर पर मुख्य न्यायाधीश के लिए हिंसात्मक विचारों का प्रसार कर रही है, जो संविधान और न्यायपालिका दोनों की अवमानना के समान है, लेकिन आश्चर्य है कि यह वीडियो अब भी सोशल मीडिया पर घूम रहा है। इसी तरह आरोपी वकील राकेश किशोर, जिसे कायदे से सलाखों के पीछे होना चाहिए था, वह न केवल अपने कृत्य को सही बता रहा है, बल्कि अदालत में फैसलों को धार्मिक नजरिए से देखने का आग्रह भी कर रहा है। एएनआई को दिए साक्षात्कार में राकेश किशोर ने कहा कि श्मैं बहुत ही ज्यादा आहत हुआ कि चीफ जस्टिस की कोर्ट में किसी ने पीआईएल दाखिल की थी और गवई साहब ने उसका पहले तो मजाक उड़ाया। लेकिन दूसरे धर्मों के मामले में ऐसा नहीं होता। जैसे हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर एक विशेष समुदाय का कब्जा है। जब उसको हटाने की कोशिश की गई तो सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल पहले स्टे लगा दिया। यह आज तक लगा हुआ है। ऐसे ही नुपूर शर्मा का जब मामला आया तो कोर्ट ने कह दिया कि आपने माहौल कर दिया। लेकिन जब हमारे सनातन धर्म से संबंधित कोई मामला आता है तो उसके ऊपर वो जरूर कोई ना कोई ऐसा आर्डर पास करते हैं। इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।श राकेश किशोर ने कहा कि ये सब क्यों करना पड़ा ये जरूर सोचने वाली बात है। पूरे देश को ये चिंतन करने वाली बात है। मैं भी कोई कम पढ़ा-लिखा नहीं हूं और गोल्ड मेडलिस्ट हूं। ऐसा नहीं है कि मैं कोई नशे में था और मैंने कोई गोलियां खा रखी थीं। उन्होंने एक्शन किया और ये मेरा रिएक्शन था। ना ही मुझे कोई अफसोस है कि क्या हुआ और क्या नहीं। ये भाषा बिल्कुल गोडसे वाली है, जिसमें अदालत में गोडसे गांधीजी की हत्या के पीछे न केवल कारण दे रहा है, बल्कि उसे सही भी ठहरा रहा है।

नवरात्र में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 35 फीसदी बढ़कर 2.17 लाख के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी दर घटने और नवरात्र के दौरान मांग बढ़ने से सितंबर में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 35% बढ़कर 2,17,744 यूनिट हो गई। पूरे महीने की बिक्री 2,99,369 यूनिट पहुंची, जो पिछले साल से 6% अधिक है। फाडा ने बताया कि यह महीना ऑटो उद्योग के लिए रिकॉर्ड तोड़ रहा और यह तेजी दिवाली तक जारी रहने की उम्मीद है। जीएसटी दर घटने और शुभ अवसर के चलते नवरात्र के नौ दिनों में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 2,17,744 यूनिट पर पहुंच गई। एक साल पहले समान अवधि में 1,61,443 वाहन बिके थे। डीलरों के संगठन फाडा के मुताबिक, दरें घटने की उम्मीद में सितंबर के पहले 21 दिनों में मांग बिलकुल धीमी हो गई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा कि 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने से वाहनों की बिक्री में जमकर तेजी आई।

पुराने ख्याल वाले हैं गौहर खान के ससुर

इंटीमेट सीन्स के चलते नहीं देखी बहू की फिल्म? बोले-बेटा उसे काम करने से रोके...

बिग बॉस 7 विनर गौहर खान इस समय हैप्पी फेज में हैं। गौहर ने हाल ही में दूसरे बच्चे का स्वागत किया। उन्होंने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया। इसी बीच गौहर खान के ससुर और दिग्गज म्यूजिक कंपोजर इस्माइल दरबार ने बहूरानी को लेकर कुछ ऐसा कहा जो इस समय चर्चा में हैं। गौहर ने साल 2020 में दिग्गज म्यूजिक कंपोजर इस्माइल दरबार के बेटे जैद दरबार संग शादी की थी। शादी के बाद से वो फिल्मों और टीवी से जरा दूर ही हैं। गौहर अपने घर-परिवार में जरा व्यस्त हो गई हैं और उनकी करियर की गाड़ी पटरी से उतर गई. वो ऑन एंड ऑफ काम कर रही हैं लेकिन उनके करियर की रफ्तार जरा कम हो गई है। अब एक्ट्रेस के ससुर ने इस पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वो शादी के बाद एक्ट्रेस के काम करने के सख्त खिलाफ हैं। इतना ही नहीं वो अपनी बहू गौहर खान की फिल्में और सीरियल्स नहीं देखते हैं। इस्माइल दरबार ने अपनी दूसरी पत्नी आयशा का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने करियर के पीक पर शादी कर ली थी और शादी के बाद आयशा ने पति और बच्चे के लिए सबकुछ छोड़ दिया था। उनके पास गौहर खान पर अपने फैसले थोपने का हक नहीं है लेकिन वो कहते हैं कि जैद के पास हक है कि वो गौहर खान को काम करने से रोक सकें। बहू गौहर खान के करियर के बारे में आगे बात करते हुए इस्माइल कहते हैं- मुझे बस इतना पता है कि जैद के साथ उसका रिश्ता बहुत अच्छा है और वह एक बेहतरीन मां है। इसमें ईमानदारी से बात करने में कोई हर्ज नहीं है हालांकि मेरी पत्नी आयशा की सबसे बड़ी बात यह थी कि उसने अपने बच्चे के लिए काम करना बंद कर दिया था। इस्माइल दरबार आगे कहते हैं-टदेखिए, मैं एक पिछड़े परिवार से आता हूं। जब भी किसी फिल्म में कोई असंवेदनशील दृश्य आता था, कोई इंटीमेट सीन आता था तो हम नजरें फेर लेते थे। आज भी हमारे घर में ऐसा ही होता है। गौहर अब हमारे परिवार का हिस्सा हैं उनकी प्रतिष्ठा की जिम्मेदारी हमारी है हालांकि मैं उसे काम करने से मना नहीं कर सकताय यह अधिकार केवल जैद का है इसलिए मैं उन गतिविधियों में शामिल नहीं होता जो मुझे परेशान कर सकती हैं। मैं अपने शब्दों को घुमा-फिरा कर नहीं कहता। मुझे पता है कि मैं जो देखूंगा उसे बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा और अगर मैं उसे बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा तो मैं उसे कह दूंगा।

सिंगर राजवीर जवंदा का निधन

नीरू बाजवा और दिलजीत दोसांझ ने दी श्रद्धांजलि

पंजाबी सिंगर राजवीर जवंदा का निधन हो गया है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पंजाबी अभिनेत्री नीरू बाजवा, सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ और कई पंजाबी कलाकारों ने राजवीर को श्रद्धांजलि दी है। पंजाबी सिंगर राजवीर जवंदा का निधन हो गया है। सिंगर कुछ दिन पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह घायल हुए थे। कई दिनों से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। अब उनके निधन की सूचना मिली। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा ने सिंगर राजवीर जवंदा को एक्स (ट्विटर) पोस्ट श्रद्धांजलि दी। नीरू बाजवा, दिलजीत दोसांझ और कॉमेडियन गुरप्रीत घुग्गी के अलावा कई सेलेब्स ने सिंगर राजवीर जवंदा के निधन पर दुख जाहिर किया, सोशल मीडिया पोस्ट साझा की। अमरिंदर सिंह राजा ने निधन दुख जताया राजवीर के निधन की सूचना मिलने के बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। वह अपने ट्वीट में लिखते हैं, राजवीर जवंदा जी के निधन से बहुत दुख हुआ। हम सभी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की लेकिन दुर्भाग्य से ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं, जो इस दुखद क्षति से स्तब्ध हैं। वाहेगुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके प्रियजनों को इस दुखद क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करें। नीरू बाजवा ने लिखा- दिल टूट गया है, दिलजीत दोसांझ ने की पोस्ट पंजाबी एक्ट्रेस नीरू बाजवा सिंगर राजवीर के निधन पर दुखी हैं। वह इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, ह्यखुशमिजाज और दयालु इंसान राजवीर का इस तरह दुनिया छोड़कर जाना बहुत दुखदायी है। इतने युवा और होनहार शख्स के जाने से दिल टूट गया है। राजवीर के परिवार और प्रियजनों के लिए गहरी संवेदनाएं। ईश्वर परिवार को शक्ति और शांति प्रदान करे। राजवीर तुम बहुत जल्दी चले गए, लेकिन कभी भुलाए नहीं जाओगे। अलविदा प्यारे राजवीर। सिंगर बादशाह-एक्टर एमी विर्क और गुरुप्रीत घुग्गी ने जताया शोक सिंगर बादशाह और एमी विर्क राजवीर के निधन पर दुखी हैं। दोनों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपना दुख जाहिर किया। साथ ही कॉमेडियन गुरप्रीत घुग्गी ने इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए राजवीर जवंदा की मौत पर दुख प्रकट किया है। वह लिखते हैं, मौत जीत गई, जवानी हार गई, हम तुम्हें कैसे भूलेंगे छोटे भाई। इन सेलेब्स ने भी साझा की पोस्ट एक्ट्रेस सरगुन मेहता, सना खान और सिंगर बी प्राक ने भी राजवीर जवंदा के निधन पर सोशल मीडिया पोस्ट साझा की है। सभी ने परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी का बड़ा ट्विस्ट, नॉयना की चाल से मिहिर और तुलसी के रिश्ते में पड़ेगा गहरा संकट

बढ़ेगा ड्रामा और

स्टार प्लस के पॉपुलर शो क्योंकि सास भी कभी बहू थीष में ड्रामा और ट्विस्ट का सिलसिला लगातार जारी है। मेकर्स ने शो को टीआरपी में टॉप पर लाने का मन बना लिया है, जिसके चलते दर्शकों को एक के बाद एक मजेदार और रोमांचक एपिसोड्स देखने को मिल रहे हैं। शो में अंगद की सगाई पक्की होने के बाद उसने वृंदा को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया है। अंगद की इस बेरुखी से वृंदा का दिल टूट जाएगा। इस दूरी की वजह से शो में बड़ा ड्रामा देखने को मिलेगा और वृंदा की भावनाएं आहत होंगी। अंगद और वृंदा के बीच बढ़ती खाई दर्शकों के लिए नए सवाल लेकर आएगी। मिहिर को एक बड़े इवेंट में जाना है और वह चाहता है कि तुलसी भी उसके साथ जाए। लेकिन तुलसी इस इवेंट में जाने से साफ इनकार कर देती है। वहीं, मिहिर के साथ जाने के लिए नॉयना पूरी तरह सज-धज कर तैयार होती

है। इस इवेंट में मिहिर और तुलसी की दूरी और नॉयना की चालाकी शो में नई जंग का आगाज करेंगी। परिधि नॉयना को यकीन दिलाती है कि मिहिर उसका हो जाएगा, लेकिन यह गलतफहमी नॉयना के लिए भारी साबित होगी। जल्द ही परिधि का सभी चालाक प्लान विफल हो जाएगा। परिधि को समझ आएगा कि छोटे-मोटे झगड़ों से मिहिर और तुलसी का रिश्ता टूटने वाला नहीं है, फिर भी वह नॉयना का समर्थन करती रहेगी। इवेंट के दौरान मिहिर साफ कहता है कि उसकी जिंदगी और कंपनी दोनों की असली डायरेक्टर तुलसी ही है। इस बात से नॉयना का दिल टूट जाएगा और तुलसी खुशी से झूम उठेगी। मिहिर और तुलसी के एक-दूसरे का हाथ थामने के दृश्य देखने को मिलेंगे, जो नॉयना के लिए बेहद दर्दनाक साबित होंगे। नॉयना इस झटके के बाद ठान लेती है कि वह किसी भी कीमत पर मिहिर को तुलसी से दूर कर देगी। वह मिहिर और तुलसी के रिश्ते में दरार डालने के लिए नए-नए चालाक प्लान बनाएगी। अब देखना यह होगा कि क्या नॉयना अपनी साजिश में कामयाब हो पाती है या मिहिर और तुलसी का प्यार फिर से जीत जाता है।

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह को मिली वाई कैटेगरी की सुरक्षा

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में खबर सामने आई है कि गृह मंत्रालय ने उन्हें वाई कैटेगरी सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया है। यह निर्णय इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की खतरे की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिसमें पवन सिंह से जुड़े संभावित खतरों का जिक्र किया गया था। सूत्रों के अनुसार, हाल के दिनों में पवन सिंह को बढ़ते विवादों और सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ा है। खासकर हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखा गया कि बाबा खान के गुंडों ने पवन सिंह को धमकी दी थी। वीडियो में कहा गया था कि दम है तो बाबा खान के सामने आकर कुछ बोलकर दिखाओ। इन धमकियों और बढ़ते खतरों के मद्देनजर गृह मंत्रालय ने एक्टर की सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया। इसके अलावा, पवन सिंह ने हाल ही में बीजेपी में शामिल होकर राजनीतिक सक्रियता दिखाई है। उन्होंने दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात की। माना जा रहा है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में पवन सिंह बीजेपी के उम्मीदवार के रूप में भी सामने आ सकते हैं। वाई कैटेगरी सुरक्षा में आमतौर पर एक से दो कमांडो या सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाते हैं। ये 24 घंटे की सुरक्षा, वाहन एस्कॉर्ट और निगरानी सुनिश्चित करते हैं। यह सुरक्षा उन लोगों को दी जाती है जिनकी जान पर खतरा हो या जिनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी मिलती है।

पहले 60 करोड़ जमा कराएं..धोखाधड़ी केस में शिल्पा शेट्टी को बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार

विदेश यात्रा पर लगी रोक

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में कपल के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें अदालत ने उन्हें राहत देने से इंकार कर दिया और जांच पूरी होने तक विदेश यात्रा पर रोक लगा दी। शिल्पा शेट्टी को 25 से 29 अक्टूबर तक कोलंबो में होने वाले यूट्यूब इवेंट में शामिल होना था। इसके लिए उन्होंने कोर्ट से विदेश जाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन अदालत

ने यह कहते हुए इजाजत नहीं दी कि मामला अभी जांच के अधीन है। सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने शिल्पा के वकील से पूछा कि क्या उनके पास इवेंट का आधिकारिक इनविटेशन है, तो उन्होंने जवाब दिया कि इवेंट आयोजकों से केवल फोन पर बात हुई है और आमंत्रण तभी मिलेगा जब यात्रा की अनुमति मिलेगी। अदालत ने शिल्पा शेट्टी के वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि 60 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की रकम पहले जमा कराई जाए, तभी आगे की राहत पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने इस दौरान स्पष्ट किया कि कानून सभी के लिए समान है और जब तक जांच पूरी नहीं होती, विदेश यात्रा की अनुमति नहीं दी जा सकती। बीते सोमवार को ईओडब्ल्यू की टीम शिल्पा शेट्टी के घर पहुंची थी, जहां उनसे करीब 5 घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान अधिकारियों ने कपल से कई वित्तीय दस्तावेज भी मांगे। शिल्पा शेट्टी की ओर से कहा गया कि उन्होंने जांच के हर चरण में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया है और आवश्यक कागजात भी जमा कराए हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। कोर्ट ने शिल्पा और राज को निर्देश दिया है कि वे जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग करें और वित्तीय दस्तावेजों की पारदर्शिता बनाए रखें। शिल्पा शेट्टी ने अपने वकील के माध्यम से कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप बेबस और निराधार हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं हैं और सच्चाई जल्द सामने आ जाएगी। कारोबारी दीपक कोठारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रुपये की ठगी का गंभीर आरोप लगाया है। दीपक का दावा है कि दोनों ने व्यापार के नाम पर यह रकम ली थी, लेकिन बाद में इसका इस्तेमाल अपने निजी खर्चों में किया गया। इस आरोप के आधार पर ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) ने कपल के खिलाफ मामला दर्ज किया और एलओसी (लुक आउट सर्कुलर) जारी कर दिया।

बावुमा ने भारत के खिलाफ सीरीज के लिए बनाया खास प्लान, कही यह बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बावुमा ने सीएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कारों के दौरान मीडिया से कहा, 'भारत में स्पिनरों की मददगार पिच होंगी। अगर ऐसा हुआ तो हमें कोई हैरानी नहीं होगी। आजकल टीमें अपने अनुकूल पिच तैयार कराती हैं, खासकर डब्ल्यूटीसी को देखते हुए।' दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा को अगले महीने भारत में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान ह्यटर्निंगह्व विकेट मिलने की उम्मीद है हालांकि शुभमन गिल की कप्तानी में मेजबान टीम ने संतुलित पिच पर खेलने में रूचि दिखाई है। अतीत में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में भारत ने टर्निंग पिच पर खेलने पर जोर दिया है लेकिन गिल ने कहा कि वह ऐसी विकेट पर खेलना चाहते हैं जिनसे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद मिले। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के गत चैम्पियन दक्षिण अफ्रीका को भारत में कोलकाता (14 से 18 नवंबर) और गुवाहाटी (22 से 26 नवंबर) में दो टेस्ट खेलने हैं। बावुमा ने सीएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कारों के दौरान मीडिया से कहा, 'भारत में स्पिनरों की मददगार पिच होंगी। अगर ऐसा हुआ तो हमें कोई हैरानी नहीं होगी।

कैलिफोर्निया में दिवाली बनी सरकारी छुट्टी

गवर्नर गेविन न्यूसम ने रचा इतिहास; भारतीयों में खुशी की लहर

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में दिवाली को सरकारी छुट्टी घोषित कर दिया गया है। इसके लिए स्थानीय गर्वनर ने बकायदा एक बिल पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का दर्जा भी दिया है। उनके इस फैसले के बाद से भारतीय समुदाय के लोगों में खुशी की लहर है। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में अब दिवाली आधिकारिक तौर पर राज्य की छुट्टियों की सूची में शामिल हो गई है। मंगलवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप दे दिया। इस कानून के तहत अब कैलिफोर्निया के सरकारी कर्मचारी, कम्युनिटी कॉलेज, और सरकारी स्कूल दिवाली पर छुट्टी ले सकेंगे। इसके साथ ही, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को दिवाली के अर्थ और महत्व पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति भी दी गई है। क्या है बिल एबी 268? इस बिल में कहा गया है कि राज्य के कर्मचारी दिवाली के दिन वेतन सहित अवकाश ले सकते हैं। स्कूल और कॉलेज दिवाली के दिन बंद रह सकते हैं। शैक्षणिक संस्थान दिवाली के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। भारतीय समुदाय में खुशी की लहर इस फैसले से कैलिफोर्निया में रह रहे करीब 10 लाख दक्षिण एशियाई मूल के लोगों, खासतौर पर भारतीय और भारतीय-अमेरिकी समुदाय में, खुशी की लहर दौड़ गई है। अजय भूटोरिया, जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के पूर्व सलाहकार रहे हैं और सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध उद्यमी और समाजसेवी हैं, ने इस फैसले की सराहना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'धन्यवाद गवर्नर गेविन न्यूसम, जिन्होंने दिवाली को कैलिफोर्निया की राज्य छुट्टी बनाया। असेंबली मेंबर आश कालरा और दर्शन पटेल का भी आभार जिन्होंने इस बिल को मंजिल तक पहुंचाया, यह रोशनी, एकता और विविधता का उत्सव है।'

'नवाचार - संस्कृति को नई ऊंचाइयां' अजय भूटोरिया ने आगे कहा, 'आज कैलिफोर्निया की समावेशिता की यात्रा में एक उज्ज्वल मील का पत्थर जुड़ा है। दिवाली आशा पर निराशा की, एकता पर विभाजन की, और ज्ञान पर अज्ञान की जीत का प्रतीक है, यह संदेश यहां रहने वाले हर दक्षिण एशियाई के दिल में गूंजता है।' उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय सिर्फ एक अवकाश नहीं, बल्कि भारतीय प्रवासियों के योगदान और उनकी विरासत का सम्मान है। सिलिकॉन वैली के टेक विशेषज्ञों से लेकर दक्षिण कैलिफोर्निया के स्वास्थ्यकर्मियों तक, भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने राज्य की अर्थव्यवस्था, नवाचार और संस्कृति को नई ऊंचाइयां दी हैं। 'शुभ दीपावली - प्रगति के दीप जलते रहें' उन्होंने कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा, 'जैसे हम 20 अक्तूबर को दिवाली मनाने की तैयारी कर रहे हैं, यह कदम हमें गर्व, अपनापन और सामूहिक सौहार्द की नई रोशनी देगा।'

रसायन के लिए नोबेल पुरस्कार का एलान; जापान-ऑस्ट्रेलिया और यूएस के वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रसायन में नोबेल पुरस्कार 2025 की घोषणा हो चुकी है। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार (08 अक्तूबर) को इसका ऐलान किया। रसायन में नोबेल पुरस्कार 2025 की घोषणा हो चुकी है। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार (08 अक्तूबर) को इसका ऐलान किया। इस साल ये सम्मान तीन वैज्ञानिक सुसुमु कितागावा (जापान), रिचर्ड रॉबसन (ऑस्ट्रेलिया) और उमर एम. याघी (अमेरिका) को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी को धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास के लिए रसायन विज्ञान में 2025 का नोबेल पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। मालूम हो कि विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (भारतीय रुपयों में 10.3 करोड़), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाएगा। मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क में योगदान रसायन में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार इन वैज्ञानिकों को मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क में अपने योगदान के लिए दिया गया है। जो कि कार्बन और मेटल दोनों से मिलकर बने होते हैं, इनका उपयोग केमिकल प्रोसेस में सहयोग, गैस को जोड़े रखने और कार्बन डाइऑक्साइड को हवा में से हटाने के लिए किया जाता है। इन शोधकताओं को पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि 10 दिसंबर को एक समारोह में औपचारिक रूप से स्टॉकहोम में प्रदान किया जाएगा। बता दें कि 1901 से 2024 के बीच 195 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को 116 बार रसायन के लिए यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है।

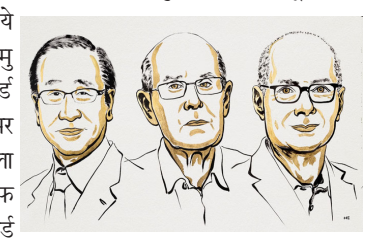

टीटीपी आतंकियों से मुठभेड़ में पाकिस्तान के 11 जवानों की मौत

मृतकों में लेफ्टिनेंट कर्नल भी शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। खुफिया सूचना के आधार पर पाकिस्तानी सेना ने कार्रवाई करते हुए इलाके को घेर लिया। पाकिस्तानी सेना और आतंकियों की मुठभेड़ में 11 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। मुठभेड़ के दौरान 19 आतंकियों के भी मारे जाने का दावा किया गया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी आतंकियों के साथ हुई एक मुठभेड़ में पाकिस्तानी सेना के 11 जवानों की मौत हो गई है। मरने वालों में लेफ्टिनेंट कर्नल रैंक का एक अधिकारी और एक मेजर भी शामिल है। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि बीती रात खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में कुछ टीटीपी आतंकियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिली थी। टीटीपी आतंकियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 11 सैनिक

खुफिया सूचना के आधार पर पाकिस्तानी सेना ने कार्रवाई करते हुए इलाके को घेर लिया। पाकिस्तानी सेना और आतंकियों की मुठभेड़ में 11 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। मुठभेड़ के दौरान 19 आतंकियों के भी मारे जाने का दावा किया गया है। मुठभेड़ के बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा इलाके की घेराबंदी कर सर्च अभियान चलाया जा रहा है। मुठभेड़ में मारे गए लेफ्टिनेंट कर्नल की पहचान जुनैद आरिफ के रूप में हुई है। वहीं जुनैद आरिफ के सेकेंड इन कमांड मेजर तैयब राहत की भी इस ऑपरेशन में मौत हो गई। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में आंतकी घटनाएं और हिंसा बढ़ी है। इन राज्यों में आतंकियों द्वारा सेना, पुलिस और जांच एजेंसियों के कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है। टीटीपी और पाकिस्तान सरकार के बीच साल 2022 में संघर्ष विराम टूट गया था, जिसके बाद से टीटीपी के हमले बढ़े हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने विभिन्न रिसर्च स्टडी के हवाले से बताया कि साल 2025 की पहली तीन तिमाही में हिंसा की उतनी घटनाएं हुई हैं, जितनी 2024 में पूरे साल हुईं। पाकिस्तान के लिए एक दशक का सबसे खूनी साल होगा 2025 पाकिस्तान में पिछले तीन महीनों में आतंकवादी हमलों और सैन्य ऑपरेशनों में कम से कम 901 लोग मारे गए और 599 लोग घायल हुए। यह जानकारी सोमवार को इस्लामाबाद स्थित सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई। इस रिपोर्ट के अनुसार, यह पिछले तीन महीनों के मुकाबले हिंसा में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। साल 2025 में अब तक पाकिस्तान में 2414 मौतें दर्ज की जा चुकी हैं, जो लगभग पिछले साल की कुल मौतों (2546) के बराबर हैं। ऐसे में विशेषज्ञ मान रहे हैं कि 2025 साल के अंत तक पाकिस्तान का यह दशक का सबसे खतरनाक साल बन सकता है।

यूएन ने श्रीलंका की आलोचना की, गायब किए गए लोगों के मामलों में धीमी प्रगति से नाराज

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। श्रीलंका में उग्रवादी संगठन लिट्टे के चलते लगभग तीन दशकों तक गृहयुद्ध का दौर रहा। इस दौरान हजारों लोग गायब हुए, जिनमें अधिकतर तमिल शामिल थे। साल 2009 में लिट्टे के खात्मे के साथ गृहयुद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के एक पैनल ने श्रीलंका में जबरन गायब किए गए लोगों के मामलों की धीमी प्रगति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। यूएन ने श्रीलंका सरकार के लापता व्यक्तियों के कार्यालय (ओएमपी) के प्रदर्शन पर नाराजगी जाहिर की, जिसने गायब किए गए करीब 17 हजार मामलों में से कुछ ही मामलों का खुलासा किया है। मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र की जांच एजेंसियों द्वारा गायब किए गए लोगों (यूएनसीईडी) पर रिपोर्ट जारी हुई। ओएमपी के कामकाज को लेकर उठे सवाल यूएनसीईडी की यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) द्वारा सोमवार को एक प्रस्ताव पारित किए जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें श्रीलंका पर मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के कार्यकाल को दो और वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि श्रीलंका सरकार के विभाग ओएमपी को लोगों के गायब होने के 16,966 मामलों मिले, जिनमें से अब तक केवल 23 का ही पता लगाया जा सका है। इससे लापता लोगों के परिवारों की दीर्घकालिक मांगों को पूरा करने के लिए बनी इस संस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं।

सामूहिक कब्रें मिलने पर यूएन ने जताई चिंता संयुक्त राष्ट्र के पैनल ने श्रीलंका में कम से कम 17 सामूहिक कब्रें मिलने पर भी चिंता जाहिर की। पैनल ने श्रीलंकाई अधिकारियों की सीमित फोरेंसिक क्षमता और राष्ट्रीय आनुवंशिक डेटाबेस सहित मरने वालों के डेटाबेस की कमी की भी आलोचना की। पैनल ने श्रीलंका सरकार से इन कमियों को दूर करने की अपील की। श्रीलंका में उग्रवादी संगठन लिट्टे के चलते लगभग तीन दशकों तक गृहयुद्ध का दौर रहा। इस दौरान हजारों लोग गायब हुए, जिनमें अधिकतर तमिल शामिल थे।

प्ले स्टोर में हर हाल में शीघ्र करना होगा बदलाव, सुप्रीम कोर्ट का पुराना आदेश बरकरार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गूगल की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें प्ले स्टोर में बदलाव वाले आदेश पर रोक की मांग की गई थी। अब गूगल को 22 अक्तूबर तक अपने एंड्रॉइड एप स्टोर में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और एकाधिकार खत्म करने के उद्देश्य से सुधार करने होंगे। कोर्ट ने इन-एप खरीद पर 15-30% शुल्क को डिजिटल दीवार बताते हुए अरबों के मुनाफे को अनुचित माना।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक साल पुराने उस आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जिसके तहत गूगल को अपने एंड्रॉइड एप स्टोर में बड़े बदलाव करने थे। इससे कंपनी को शीघ्र ही प्ले स्टोर में सुधार लागू करना होगा, जो अमेरिका में अधिकांश गैर-एपल स्मार्टफोन के लिए एंड्रॉइड एप्स का प्लेटफॉर्म है। आदेश का मकसद गूगल के प्ले स्टोर के विरुद्ध प्रतिस्पर्धा बढ़ाना और उसे अवैध एकाधिकार से रोकना है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मतलब है कि गूगल को 22 अक्तूबर तक अपने प्ले स्टोर में उन एप्स के लिए बदलाव शुरू करना होगा जो उस एंड्रॉइड सॉफ्टवेयर पर चलते हैं। डिजिटल दीवार और मुनाफा जज जेम्स डोनाटो ने कहा, गूगल द्वारा बनाई गई डिजिटल दीवारों ने कंपनी को अरबों का वार्षिक लाभ दिया। विशेषकर इन-एप लेनदेन पर 15-30% शुल्क लेने की प्रणाली के जरिये गूगल ने अपने एकाधिकार का फायदा उठाया। कोर्ट से आदेशित मुख्य बदलाव अमेरिकी जिला जज ने अक्तूबर 2023 में गूगल को प्रतिस्पर्धियों को एप्स तक पहुंच देने के लिए भी बदलाव के आदेश दिए थे। गूगल ने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि डोनाटो के आदेश से प्ले स्टोर के 10 करोड़ से अधिक अमेरिकी यूजरों को सुरक्षा जोखिम का सामना करना पड़ेगा, लेकिन कोर्ट ने उसकी नहीं सुनीं।

यूक्रेनी सेना द्वारा पकड़ा गया युवक मोरबी का निवासी, पढ़ाई के लिए रूस गया; गुजरात पुलिस ने की पुष्टि

मोरबी (एजेंसी)। राजकोट रेंज के आईजी अशोक कुमार यादव ने बताया, 'प्रारंभिक जांच के अनुसार, साहिल मोरबी का निवासी था और कई साल पहले पढ़ाई के लिए रूस गया था। हमें यह भी पता चला है कि उसे वहां नशीली दवाओं से संबंधित एक मामले में पकड़े जाने के बाद जेल भेज दिया गया था।' गुजरात पुलिस ने बुधवार को पुष्टि की कि 22 वर्षीय मजोती साहिल मोहम्मद हुसैन, जिसने रूसी सेना की तरफ से लड़ते हुए यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया, वह गुजरात के मोरबी शहर का निवासी था और पढ़ाई के लिए रूस गया था। यूक्रेनी सेना ने जो वीडियो जारी की, उसमें भारतीय युवक ने बताया कि वह गुजरात के मोरबी का निवासी है और पढ़ाई के लिए रूस गया था। राजकोट रेंज के आईजी ने की पुष्टि जब पत्रकारों ने मोरबी शहर के कालिका प्लॉट इलाके में मजोती साहिल मोहम्मद हुसैन के घर पर उसके परिवार के सदस्यों से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसकी मां ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया और बाद में वह घर पर ताला लगाकर किसी अज्ञात स्थान पर चली गईं। राजकोट रेंज के आईजी अशोक कुमार यादव ने बताया, 'प्रारंभिक जांच के अनुसार, साहिल मोरबी का निवासी था और कई साल पहले पढ़ाई के लिए रूस गया था। हमें यह भी पता चला है कि उसे वहां नशीली दवाओं से संबंधित एक मामले में पकड़े जाने के बाद जेल भेज दिया गया था।' वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि उसने पासपोर्ट, वीजा कैसे और कब हासिल किया। यूक्रेनी सेना ने जारी किया भारतीय युवक का वीडियो यूक्रेनी सेना ने मंगलवार को बताया कि रूसी सेना के लिए लड़ रहे एक भारतीय नागरिक ने आत्मसमर्पण कर दिया है। यूक्रेनी सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने भारतीय युवक का एक वीडियो जारी किया, जिसने युवक ने खुद को गुजरात का मजोती साहिल मोहम्मद हुसैन बताया। यूक्रेनी सेना ने कहा कि 22 वर्षीय भारतीय युवक रूस में एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने आया था। वीडियो में, हुसैन ने कहा कि उसे नशीली दवाओं से संबंधित आरोपों में रूस में सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी। सजा से बचने के लिए उसे रूसी सेना में शामिल होने की पेशकश की गई। कमांडर से लड़ाई के बाद यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया हुसैन ने कहा, 'मैं जेल में नहीं रहना चाहता था, इसलिए मैंने विशेष सैन्य अभियान के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। लेकिन मैं वहां से बाहर निकलना चाहता था।' 16 दिनों के प्रशिक्षण के बाद हुसैन को 1 अक्टूबर को अपने पहले मिशन पर भेजा गया, जो तीन दिनों तक चला। अपने कमांडर के साथ लड़ाई के बाद, हुसैन ने यूक्रेनी सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। वीडियो में हुसैन ने कहा, 'मैं लगभग दो-तीन किलोमीटर दूर एक यूक्रेनी ठिकाने के पास पहुंचा। मैंने तुरंत अपनी राइफल नीचे रख दी और कहा कि मैं लड़ना नहीं चाहता। मुझे मदद चाहिए। मैं रूस वापस नहीं जाना चाहता।' विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि भारत ने रूस से रूसी सेना में कार्यरत 27 भारतीय नागरिकों को रिहा करने और भारत वापस भेजने की अपील की थी।

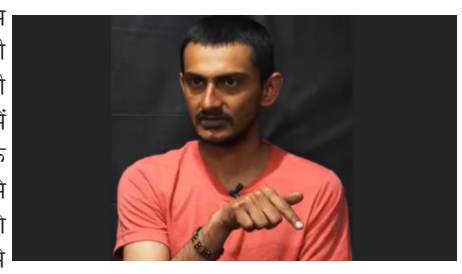

चुनाव आयोग की दो टूक- बिहार पर नीतिगत फैसले के लिए केंद्र सरकार पर भी आचार संहिता लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से स्थानीय प्रशासन सभी नियमों को लागू करने में जुट गया है। वहीं निर्वाचन आयोग ने मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट को लेकर यह साफ किया है कि यह नियम केंद्र सरकार पर भी लागू होगा। चुनाव आयोग ने बुधवार को साफ कर दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान लागू आचार संहिता यानी मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (एमसीसी) केवल राज्य सरकार पर ही नहीं, बल्कि केंद्र सरकार पर भी लागू होगी। इसका मतलब है कि केंद्र सरकार भी इस दौरान बिहार से जुड़े किसी बड़े एलान या नई नीति की घोषणा नहीं कर सकेगी। बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव आचार संहिता सोमवार को चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही लागू हो गई थी। बिहार में दो चरणों में मतदान होगा, पहला चरण 6 नवंबर को

और दूसरा चरण 11 नवंबर को। जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। सभी दलों को बराबरी का मौका देने की कोशिश चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा, 'आचार संहिता केंद्र सरकार पर भी लागू होगी, जहां तक बिहार से जुड़ी घोषणाओं और नीतिगत फैसलों की बात है।' इसका उद्देश्य चुनाव के दौरान सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को बराबरी का मौका देना है। स्थानीय प्रशासन को आयोग ने दिए सख्त निर्देश निर्वाचन आयोग ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि नागरिकों की निजता यानी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए। किसी भी राजनीतिक गतिविधि के लिए लोगों के घरों के बाहर धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही आयोग ने कहा है कि बिना संपत्ति मालिक की अनुमति के किसी भी निजी या सरकारी इमारत, दीवार या जमीन पर झंडे, बैनर या पोस्टर नहीं लगाए जा सकते।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला, काफिले पर चलाई गईं गोलियां

बाल-बाल बचे

क्वीटो (एजेंसी)। प्रदर्शनकारी सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें डीजल सब्सिडी को सरकार ने घटाकर कम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से छोटे किसान और मूल नागरिक समाज के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ पर जानलेवा हमला हुआ है। दरअसल करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला किया और पत्थर मारे। गनीमत रही कि इस

हमले में राष्ट्रपति नोबोआ को चोट नहीं पहुंची और वे सुरक्षित हैं। इक्वाडोर सरकार के मंत्री इनेस मानजानो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति पर हमले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानलेवा हमले की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि कार पर गोलियां चलने का पता चला है। फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद की धाराओं में दर्ज किया गया मामला राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से बताया गया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद और जान लेने की साजिश रचने के आरोप लगेंगे। राष्ट्रपति नोबोआ पर हमला राष्ट्रीय मूल नागरिक संघ के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। यह संघ बीते दो हफ्ते से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शनकारी सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें डीजल सब्सिडी को सरकार ने घटाकर कम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से छोटे किसान और मूल नागरिक समाज के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।